@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 9 मई 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 184 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सुवेंदु बंगाल के सीएम होंगे

राज्यपाल से मिले: सरकार बनाने का दावा पेश किया

आज शपथ लेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद

- **शाह बोले- महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी**

अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु आप सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी।

शाह ने सुवेंदु को माला पहनाई, गले लगाया

शाह के संबोधन की बड़ी बातें

370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

टीवीके प्रमुख विजय आप 11 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

एजेंसी
नई दिल्ली। तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। कल सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बहुमत के लिए जुटाया समर्थन, कांग्रेस और वाम दलों का साथ

कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय तीसरी बार राजभवन पहुंचे, उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI), वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (CPI-M) के पास 2-2 विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन टीवीके को पहले से मिला हुआ है। इन सभी को जोड़ने के बाद भी विजय के पास कुल 118 विधायकों का समर्थन बनता है। माकपा ने आधिकारिक पत्र जारी कर TVK सरकार को समर्थन देने की घोषणा की, जबकि CPI ने 'स्थिर, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शासन' के नाम पर सशर्त समर्थन दिया। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को दिया है। इन सभी के समर्थन के बाद टीवीके और उसके सहयोगी विधायकों की कुल संख्या 118 हो जाती है। यह संख्या बहुमत के आंकड़े के करीब है। चुनाव में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, टीवीके के संस्थापक विजय को उन दो विधानसभा सीटों में से एक से इस्तीफा देना होगा, जिन पर उन्होंने जीत दर्ज की है। विजय ने चेन्नई की पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट से चुनाव जीता है।

गवर्नर ने दिया सरकार बनाने का न्योता

तमिलनाडु में सरकार में बनाने के लिए भाजपा नहीं देगी टीवीके को समर्थन: नैनार नागेंद्रन

एजेंसी
चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं

मोदी पहली बार करेंगे टिहरी का दौरा

1000 मेगावाट परियोजना का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी
टिहरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार उत्तराखंड के टिहरी जिले के दौरे पर पहुंच सकते हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मई के अंतिम सप्ताह अथवा जून के प्रथम सप्ताह में प्रधानमंत्री टिहरी पहुंचकर देश की महत्वपूर्ण 1000 मेगावाट क्षमता वाली टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इस संभावित दौरे को लेकर शासन और प्रशासन स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री का यह दौरा राजनीतिक से अधिक विकास और ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों पर केंद्रित रहेगा। टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना को देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा

परियोजनाओं में माना जा रहा है। यह परियोजना बिजली उत्पादन के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण और राष्ट्रीय ग्रिड संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषज्ञ इसे भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से 'गेमचेंजर' मान रहे हैं। इसके अलावा श्री मोदी इस दौरान टिहरी मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रख सकते हैं तथा क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई अन्य योजनाओं की घोषणाएं होने की भी संभावना है। इससे टिहरी सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे शुभेंदु अधिकारी; भाजपा विधायक दल की बैठक में लगी मुहर

कौमी पत्रिका
कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा दल की बैठक के दौरान राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर अंतिम निर्णय ले लिया गया है। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। बैठक के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेंदु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद उपस्थित सभी भाजपा विधायकों से सहमति ली गई, जिसके बाद उनके नाम पर अमित शाह ने औपचारिक मुहर लगाई। अमित शाह ने बैठक के बाद कहा हाल ही में चुनाव प्रक्रिया पूरी हुई है और लगभग आठ प्रस्ताव और समर्थन प्राप्त हुए। ये सभी एक ही नाम के लिए थे। दूसरे नाम के लिए भी सभी को समय दिया गया, लेकिन दूसरा नाम सामने नहीं आया। इसलिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में मैं शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल विधान मंडल दल के नेता के रूप में निर्वाचित घोषित करता हूं। बैठक से पहले अमित शाह ने कोलकाता के प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर काली मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मंदिर में दर्शन के बाद शाह सीधे पार्टी नेताओं के साथ अहम बैठकों में शामिल हुए, जहां सरकार गठन और शपथ ग्रहण समारोह को लेकर चर्चा की गई। सूत्रों के मुताबिक, विधायक दल की बैठक से पहले अमित शाह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ सरकार गठन के हर पहलू पर चर्चा करेंगे। इसमें नए मंत्रिमंडल की संरचना, प्रमुख विभागों का बंटवारा और सरकार की प्राथमिकताओं पर मंथन किया जाएगा। भाजपा ने पश्चिम बंगाल के लिए अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, जबकि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को सह-पर्यवेक्षक बनाया गया है। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के गठन को लेकर पार्टी इसे बड़े सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजन के रूप में पेश करने की तैयारी में है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। समारोह में 50 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। मुख्य मंच को तीन हिस्सों में बांटा जाएगा। पहले हिस्से में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, अन्य केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री बैठेंगे। दूसरे हिस्से में राज्यपाल आरएन रवि मौजूद रहेंगे, जो नए मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे। तीसरे हिस्से में मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण करने वाले नेता और नए मंत्रिमंडल के सदस्य बैठेंगे। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में इतिहास रच दिया है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमट गई। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल 77 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार पार्टी ने जबरदस्त बढ़त बनाते हुए पहली बार बंगाल में सरकार बनाने का रास्ता साफ कर लिया है।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगा पारा

कई राज्यों में ओलावृष्टि की चेतावनी

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में शुक्रवार को आसमान साफ रहा। यहां का अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे मौसम में कल के मुकाबले आज हल्की गर्मी रही। वहीं, देश के अन्य हिस्सों जैसे मध्य प्रदेश और झारखंड में ओलावृष्टि, जबकि गुजरात

में लू चलने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग केन्द्र के अनुसार शनिवार को भी मौसम साफ रहने के आसार हैं। यहां का अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा का रूख भी दक्षिण-पूर्व दिशा से उत्तर पूर्व दिशा की ओर 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। रविवार को भी यही स्थिति रहेगी और अधिकतम तापमान 37-39 जबति न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी में 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इस दौरान, शाम से हवाओं की गति 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक रहने के आसार हैं। हवा की रफ्तार 50 किमी तक जा सकती है। अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना हैवहीं, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 8 मई और झारखंड में 8-9 मई को मध्य प्रदेश में 08 मई को वर्षा के साथ ओलावृष्टि होने का अनुमान है। कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों में 8-9 मई, लक्षद्वीप में 9-10 मई को भारी वर्षा होने के आसार हैं। गुजरात में 9-14 मई तक लू चल सकती है।

तेलंगाना के वारंगल में 800 साल पुराने काकतीय मंदिर को ध्वस्त करने पर मामला दर्ज

एजेंसी
हैदराबाद। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए 800 साल पुराने काकतीय कालीन शिव मंदिर को बुलडोजर से ढहा दिया गया, जिससे आक्रोश और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। खानपुर मंडल के अशोक नगर में हुई इस घटना पर राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएचए) में शिकायत के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है। वकील इम्मनेनी रामा राव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि काकतीय शासक गणपति देव (1199-1262 ईस्वी) के शासनकाल के इस शिव मंदिर को खानापुर मंडल में 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' के निर्माण के लिए भारी मशीनों से नष्ट कर दिया गया।

शिकायत में कहा गया कि अधिकारियों ने 'तेलंगाना हेरिटेज एक्ट' के तहत अनिवार्य 'विरासत संरक्षण समिति' का गठन नहीं किया। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि मंदिर को ध्वस्त करने के बजाय उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता था। रिपोर्टों के अनुसार मंदिर के गर्भगृह को खोदा गया था, जिससे यह संदेह पैदा हो गया है कि ठेकेदार ने नीचे दबे कथित खजाने की तलाश में इसे नष्ट किया होगा। हालांकि जिला प्रशासन ने इन आरोपों का खंडन किय। वारंगल जिला कलेक्टर कार्यालय के अनुसार छह मई को किए गए संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि जमीन पर भारी झाड़ियां और पेड़ उगे हुए थे। प्रशासन का दावा है कि 30 एकड़ भूमि पर घनी वनस्पतियों की सफाई के दौरान केवल एक पुरानी जीर्ण-शीर्ण संरचना के अवशेष मिले थे। ठेकेदार ने किसी भी निर्माण को जानबूझकर नहीं तोड़ा। पुरातत्व विभाग ने पुष्टि की है कि यह संरचना 'संरक्षित स्मारकों' की आधिकारिक सूची में शामिल नहीं थी। वारंगल कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा और नरसंपेट विधायक दोंथी माधव रेड्डी ने स्थल का दौरा किया और जनता को आश्वासन दिया कि मंदिर का उसी स्थान पर पुनर्निर्माण किया जाएगा।

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख पार

केदारनाथ। केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए धाम पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 4,01,748 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई 2026 को सायं 5 बजे तक एक ही दिन में 19,466 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन यात्रा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने में जुटा है। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग तथा आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं लगातार सुदृढ़ की गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

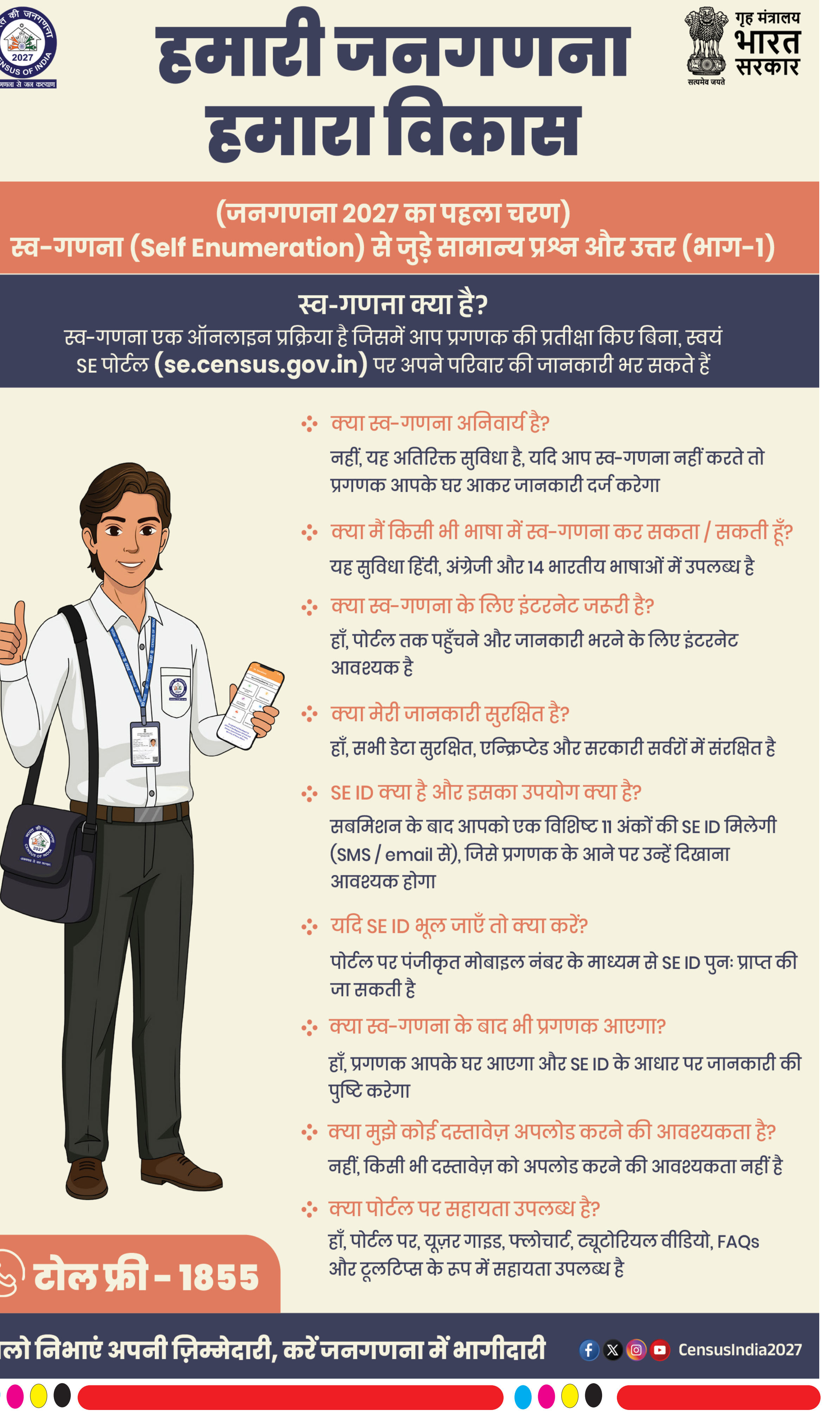

स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने कहा, पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करूंगा।' इस अवसर पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के राजनीति में आने और मंत्री बनने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को 21 वर्षों तक राजनीति से दूर रखा, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की जरूरत को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने विश्वास जताया कि निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में बेहतर काम होगा। बिहार सरकार में गुरुवार को हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार में 32 मंत्रियों को शामिल किया गया था। यह विस्तार एनडीए सरकार बनने के बाद प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों की हड़ताल, 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंबई (एजेंसी)। आगामी 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। दरअसल अखिल भारतीय औषध विक्रेता संगठनों द्वारा ऑनलाइन दवाओं की कथित अवैध बिक्री और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे के विरोध में राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का असर राज्य के सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा। संगठनों का कहना है कि बिना उचित जांच-पड़ताल और नियमों के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे न केवल छोटे मेडिकल दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूर होकर दवा विक्रेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर यह बंद किया जा रहा है। हालांकि, हड़ताल के दौरान गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरत की दवाएं पहले से खरीदकर रखें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राहुल गांधी आय से अधिक संपत्ति मामला–हाई कोर्ट ने बंद कमरे में सीलबंद कराई केस फाइल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में अहम सुनवाई की। मामले की संवेदनशीलता और दस्तावेजों की प्रकृति को देखते हुए अदालत ने न केवल सुनवाई 12 मई तक टाल दी, बल्कि पूरी केस फाइल को सीलबंद कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का आदेश भी दिया। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई के दौरान ही सीलबंद फाइल खोली जाएगी। इस मामले को लेकर अदालत ने प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतते हुए इसे इन-चैंबर (बंद कमरे) में सुना, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में मामले की सुनवाई जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार से जुड़ी एजेंसियों के अधिवक्ताओं ने अदालत से कहा कि उन्हें संबंधित विभागों से लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने सहमति जताते हुए अगली सुनवाई की तारीख 12 मई निर्धारित कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि तब तक सभी संबंधित पक्ष आवश्यक निर्देश प्राप्त कर लें। विदित हो कि यह याचिका कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने अज्ञात स्रोतों से बड़ी संपत्ति अर्जित की है, जिसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। याचिका में केंद्र सरकार के साथ-साथ सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने इन सभी एजेंसियों से व्यापक जांच कराने की मांग की है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर इससे पहले भी राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में याचिका दाखिल कर चुके हैं। मौजूदा याचिका में उन्होंने आय से अधिक संपत्ति का मुद्दा उठाते हुए विस्तृत जांच की मांग की है। अब इस पूरे मामले में अगली सुनवाई 12 मई को होगी। उसी दिन सीलबंद फाइल अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी और उसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पर निर्णय लिया जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेक्टर से जुड़ी बड़ी कंपनी गेम्जक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी की यह कार्रवाई ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कई गंभीर आरोपों के बाद सामने आई है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई एफआईआर दर्ज थीं। इन शिकायतों में लोगों को गुमराह करने, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से धन जुटाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों की खतना पर सुप्रीम कोर्ट में बहस, जस्टिस हैरान

–महिला ने कहा– इस प्रथा को पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिमों के दाऊदी बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों का खतना किए जाने की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बहस हुई। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए एक दाऊदी बोहरा महिला ने कहा कि इसके तहत बच्चियों के जननांग के एक हिस्से को काटा जाता है। इस दौरान उन्हें बेहद पीड़ा से गुजरना होता है। यह ट्रॉमा ऐसा होता है कि उन्हें पूरी जिंदगी इससे होने वाली शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरना होता है। उन्होंने कहा कि इस खतना के दौरान हजारों नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। महिला ने कहा कि इससे स्वास्थ्य को खतरा होता है और उनकी गरिमा से भी समझौता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने कहा कि इस प्रथा को तो पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाना चाहिए। दाऊदी बोरा समुदाय की महिला की ओर से पेश वकील ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि खतना की यह प्रथा 7 साल की बच्चियों के साथ होती है। उन्होंने कहा कि जब 7 साल की बच्ची के साथ इसे अंजाम दिया जाता है तो फिर सहमति का तो सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि बच्ची की सहमति की बात नहीं हो सकती और उसके परिजन सामाजिक दबाव में रहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि वे विरोध करेंगे तो उनके सामाजिक बहिष्कार का खतरा रहता है।

वकील ने कहा कि परिजन चुप रहते हैं क्योंकि यदि उनका बहिष्कार हुआ तो फिर वे ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जहां उनको समाज से बॉयकॉट कर दिया जाता है। समाज के साथ उनके आर्थिक और सामाजिक रिश्ते खत्म हो जाते हैं। इस विषय को भले ही सामाजिक प्रथा कहा जा रहा है, लेकिन जिस तरह से एक बच्ची को पीड़ा झेलनी पड़ती है वह मामला संवैधानिक और आपराधिक दायरे में चला जाता है। ऐसे में इस पर उसी आलोक में विचार किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच में चीफ जस्टिस सूर्यकांत के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार समेत 9 जज शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई में जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने हैरानी भी जताई कि आखिर इसके खिलाफ कोई कानून क्यों नहीं बना है। ऐसे में कोई कानून जरूर बनना चाहिए, जिससे इस पर रोक लग सके। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में कानून बनाकर रोक लगाने का अधिकार तो सरकार के पास ही है।

फ्लाइट में महुआ मोइत्रा के सामने चोर, चोर टीएमसी चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगे

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद राज्य की राजनीतिक तपिश अब विमानों के भीतर भी महसूस हो रही है। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट में उनके साथ बदसलूकी की गई। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद मोइत्रा ने एक्स पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिसमें कुछ लोगों को चोर, चोर टीएमसी चोर, तृणमूल ईर शोब चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। टीएमसी की मोइत्रा ने इस नारेबाजी को नागरिकों का गुस्सा नहीं बताया और एक परेशानी कहा, जिसने विमान में उनकी सुरक्षा का उल्लंघन किया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ अपने सख़्त रुख़ के लिए मशहूर महुआ ने इंडिगो से इन लोगों के नाम सार्वजनिक करने और उन्हें नो फ़्लाई लिस्ट में डालने को कहा, साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को भी इस बारे में टैग किया। मोइत्रा ने पोस्ट में कहा यह बीजेपी की संस्कृति है। किसी को हैरानी क्यों हो रही है? मैंने इस नज़रअंदाज़ किया और हवाई अड्डे से अपनी बैठक में चली गई। फिर लोगों ने मुझे वह वीडियो भेजा जिसे संघी लोग वायरल कर रहे थे। तभी मैंने इस पर आवाज उठा दी। टीएमसी नेता ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में औपचारिक शिकायत दर्ज की है, जिसमें उन्होंने कहा कि चार-पांच युवकों ने इसतहर के नारे लगाए जो सीधे तौर पर उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि उन पर मौखिक हमला हुआ और उन्हें परेशान किया गया, और साथ ही यह भी जोड़ा कि उनके पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इंडिगो के किसी भी अधिकारी ने बीच-बचाव नहीं किया, और उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की। इंडिगो ने अभी तक उनके आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा ये नारे और उद्घोष मेरी पार्टी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस), मेरी पार्टी के नेताओं और मुझ पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साध रहे थे। एक बंद विमान के अंदर मुझ पर मौखिक हमला कर मुझे परेशान किया गया, और चूंकि मुझे विमान से उतरने की प्रक्रिया शुरू होने तक इंतज़ार करना पड़ा, इसलिए मेरे पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं थाजो सीधे तौर पर मुझ पर किया जा रहा था।

तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विधानसभा को ही बहुमत परीक्षण का सही मंच माना है। चिदंबरम ने उन तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों की भी सराहना की, जिन्होंने इस सिद्धांत को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया और उसका समर्थन किया।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ है। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए उसे अभी भी करीब 10 विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

बहुमत का आंकड़ा नहीं होने की वजह से राज्यपाल ने अभी तक विजय को सरकार गठन का न्योता नहीं दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने का औपचारिक ऐलान किया है। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति में सरकार गठन को लेकर गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

अखिलेश को झटका, सपा के कई दिग्गज नेता सुभासपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपना कुनबा बढ़ाने और संगठन विस्तार के अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी को उस वक्त बड़ी मजबूती मिली, जब समाजवादी पार्टी और बुनकर मजदूर विकास समिति से जुड़े लगभग 30 महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सुभासपा का दामन थाम लिया। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर की उपस्थिति में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में इन सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद आलम का नाम सबसे ऊपर है, जिनका सुभासपा में आना विपक्षी खेमे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके साथ ही बुनकर मजदूर विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नाजिम अंसारी और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताजुद्दीन अंसारी ने भी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा जताया। सदस्यता लेने वाले अन्य नेताओं में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष खालिद सैफी, राष्ट्रीय सचिव अयूब अंसारी, प्रदेश प्रभारी कारी लाइक अंसारी और कई जिला अध्यक्ष शामिल हैं। ये नेता दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर, शाहदरा, प्रतापगढ़, अमरोहा और लखनऊ जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे सुभासपा का प्रभाव कई जिलों में बढ़ने की उम्मीद है।

इस अवसर पर अरुण राजभर ने विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे पर तंज कसते हुए इसे केवल राजनीतिक स्वार्थ का जरिया बताया। राजभर ने कहा कि सपा का यह नारा जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि उनकी अपनी राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बदलता रहता है। उन्होंने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनके लिए पीडीए का असली अर्थ पार्टी ऑफ डिंपल एंड अखिलेश है, जो केवल परिवारवाद तक सीमित है। राजभर ने दावा किया कि जिस तरह से विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के नेता सुभासपा से जुड़ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि जनता और जमीन से जुड़े कार्यकर्ता अब बदलाव चाहते हैं। संगठन में हुए इस बड़े विस्तार से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसे आगामी चुनावी जंग के लिए सुभासपा की एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता, देश में 10 साल में 10 लाख मामले सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग सेंटर की निदेशक शुभ्रा रंजन का 3 मई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था और 1.89 करोड़ रुपए से ज्यादा की फिरौती मांगी गई थी। इस तरह के अपराध का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले एक दशक में 10 लाख से ज्यादा अपहरण के मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक यही नहीं, वर्ष 1953 से 2024 के बीच अपहरण और अगवा करने के 20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जो भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज कुल मामलों का करीब 1.7 फीसदी है। कुल मामलों में से 54 फीसदी 2013 से 2024 के बीच सामने आए हैं। इस अवधि में केवल 0.7 फीसदी मामले ही फिरौती से जुड़े हैं। वर्ष 1953-62 के दशक के बाद से अपहरण के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। आईपीसी मामलों में इनकी हिस्सेदारी 1973-82 के दशक से बढ़ रही है। आंकड़ों के मुताबिक अपहरण के मामलों में फिरौती बड़ी वजह नहीं रही है। सबसे अधिक मामले लोगों को जबरन उठाने यानी अपहरण से जुड़े हैं, जो कुल मामलों के आधे से भी ज्यादा हैं। इसके बाद शादी के लिए महिलाओं के अपहरण के मामले आते हैं, जबकि फिरौती के लिए अपहरण या अगवा करने के मामलों की हिस्सेदारी इनमें बहुत कम है। अपहरण के मामलों में शीर्ष छह राज्यों में से बिहार 2024 में सबसे नीचे रहा। पिछले कुछ सालों में यह राज्य महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद तीसरे नंबर पर रहा है।

राघव चड्ढा की देशवासियों से अपील, एकजुट रहे... भारत आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर कड़ा बयान दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपने वीडियो संदेश में उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की और भारतीय सेना के साहस तथा पराक्रम की जमकर सराहना की।

'जय हिंद साथियों' से अपने संदेश की शुरुआत कर बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन अगर पड़ोसी पाकिस्तान जैसा हो, तब सही रास्ते पर लाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय सिर्फ पाकिस्तान से नहीं, बल्कि आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि सेना इस बार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं और आतंक की जड़ों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन जताकर कहा कि पूरे देश को उनके साथ ÷चट्टान की तरह÷ खड़ा रहना चाहिए।

उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर कहा कि निहत्थे नागरिकों की हत्या मानवता पर एक बड़ा कलंक है। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। चड्ढा ने दावा किया कि भारत ने इसका जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए देना शुरू कर दिया है और भारतीय वायुसेना तथा मिसाइल सिस्टम पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन को प्रभावी ढंग से नष्ट कर रहा है।

अपने बयान में उन्होंने देश में हुए कई बड़े आतंकी हमलों का उल्लेख किया, जिनमें 2008 मुंबई आतंकी, पुलवामा अटैक, उरी अटैक, भारतीय संसद हमला और 1993 बॉम्बे बम विस्फोट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इन हमलों के जिम्मेदार आतंकियों और उनकी सोच को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हुई है।

शशि थरूर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे

–कोर्ट से अपील– डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाए जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। थरूर ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की पीठ करेगी।

कांग्रेस नेता ने अपनी याचिका में कई आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से राहत मांगी है। इसमें कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। थरूर ने कोर्ट से अपील की है कि इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से कई डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। बता दें थरूर की ओर से यह याचिका लॉ फर्म ट्राईलीगल के पार्टनर और वकील निखिल नरेंद्रन के जरिए दायर की गई है। थरूर अब उन अभिनेताओं, क्रिकेटरों और अन्य मशहूर हस्तियों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपने पब्लिक और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर भी कोर्ट से इसी तरह का इंजंक्शन हासिल कर चुके हैं। कोर्ट ने विज्ञापनों, मर्चेंडाइज और एआई-जनरेटेड कंटेंट में इन सितारों के नाम, आवाज, तस्वीर और हुबहू पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी लगाई थी। अब शशि थरूर ने भी अपने अधिकारों को महफूज रखने और अपने नाम-पहचान के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यही कानूनी रास्ता अपनाया है। केरल के तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर पूर्व राजनयिक और प्रसिद्ध लेखक भी हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में करीब तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दीं और अंडर-सेक्रेटरी-जनरल के प्रतिष्ठित पद तक पहुंचे। भारत सरकार में वे विदेश मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

बंगाल में राइटर्स बिल्डिंग से चलेगी नई सरकार! 1777 में बनी थी यह इमारत

–इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे, नबान्न नहीं होगा ठिकाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सरकार के कामकाज का केंद्र भी बदलने वाला है। निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल में 13 साल तक सत्ता का केंद्र रहा नबान्न अब नई सरकार का ठिकाना नहीं होगा। राज्य में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी राज्य सचिवालय को हावड़ा से वापस कोलकाता स्थित ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में शिफ्ट करने की योजना बना रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने नबान्न में कार्यवाहक मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से मुलाकात की। समिक ने उन्हें सूचित किया है कि नए सीएम के शपथ लेने के बाद सचिवालय को शिफ्ट कर दिया जाएगा। बीजेपी के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के शनिवार सुबह ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नए नेता मध्य कोलकाता स्थित राइटर्स बिल्डिंग से अपना कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, बीजेपी ने अभी तक अपने सीएम चेहरे का ऐलान नहीं किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी हमेशा से इसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व को देखते हुए सचिवालय को वापस राइटर्स बिल्डिंग में ले जाने की इच्छुक रही है। इस कदम का समर्थन करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम 2021 से ही कह रहे हैं कि हम राइटर्स बिल्डिंग से सरकार चलाएंगे। मैंने इस साल चुनाव प्रचार के दौरान भी यह घोषणा की थी। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे। 250 से ज्यादा सालों तक राइटर्स बिल्डिंग सत्ता का केंद्र रही है। पहले ईस्ट इंडिया कंपनी, फिर ब्रिटिश इंडिया और आजादी के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अक्टूबर 2013 तक यहीं से कामकाज किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 2011 में पहली बार शपथ लेने के बाद ममता बनर्जी ने भी राइटर्स बिल्डिंग से ही कार्यभार संभाला था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना सचिवालय अस्थायी तौर पर गंगा पार हावड़ा के शरत चटर्जी स्ट्रीट स्थित नबान्न में शिफ्ट कर लिया था। ममता सरकार ने तब पुरानी इमारत में आग और आपदा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए इसके जीर्णोद्धार के लिए करीब 200 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ममता ने तब इसे बारूद का ढेर बताते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से अस्थायी जगह तलाशी जा रही है। हालांकि, इमारत का काम पूरा न होने के कारण सरकार की वहां कभी वापसी नहीं हो सकी।

नवीनीकरण के तहत लोक निर्माण विभाग ने इमारत की मूल ई संरचना के बीच बने दो एनेक्सी भवनों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद काम धीमा पड़ गया। राइटर्स बिल्डिंग में मूल रूप से करीब 3 लाख वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र था, जो तोड़े जाने के बाद घटकर 2.5 लाख वर्ग फुट रह गया। हालांकि यह जगह सीएमओ समेत कम से कम 8-10 विभागों के लिए पर्याप्त है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि अगर नई सरकार तुरंत वापस लौटना चाहती है, तो उसके लिए केवल ब्लॉक 1 और 2 ही उपलब्ध कराए जा सकते हैं। नया सीएमओ दूसरी मंजिल पर काम कर सकता है, जहां जीर्णोद्धार का काम पूरा हो चुका है। मूलरूप से सीएमओ पहली मंजिल पर था, जिसकी मरम्मत में अभी 6 महीने और लग सकते हैं। इस बीच, कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने सुरक्षा व्यवस्था और नवीनीकरण कार्य का जायजा लेने के लिए बुधवार को राइटर्स बिल्डिंग का दौरा किया था।

बता दें वर्ष 1777 में बनी राइटर्स बिल्डिंग को थॉमस लियोन ने डिजाइन किया था। इसका निर्माण गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में किया गया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से तीन साल पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे खरीद लिया था, जिसके बाद यह क्लर्कों के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होने लगी। 1906 के आसपास इस लाल रंग की शानदार इमारत को इसका खास ग्रीको-रोमन लुक मिला। डलहौजी स्क्वायर पर स्थित यह इमारत भारत और बंगाल के इतिहास की मूक गवाह रही है, लेकिन अब सरकार के यहां लौटने से पहले इसे एक गंभीर कायाकल्प की जरूरत है।

खतरे में भारत के पुरुष- 25 साल की उम्र में कमर दर्द को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। अगर 20-30 साल की उम्र में कमर या पीठ में लगातार दर्द रहता है, तो इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। स्वामी दयानंद (एसडीएन) अस्पताल ने कैस इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर मंगलवार को एक जागरूकता कार्यक्रम रुमो-ऑर्थो डॉक्टॉक का आयोजन किया। इसमें युवाओं में बढ़ रही रूमेटिक और ऑर्थोपेडिक बीमारियों पर चिंता जताई। कार्यक्रम में डॉक्टरों ने बताया कि कई रूमेटोलॉजिक बीमारियां कम उम्र में ही शुरू हो जाती हैं, लेकिन जानकारी की कमी के कारण लोग समय पर इलाज नहीं कराते। एसडीएन अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नरोत्तम दास ने कहा कि सही जानकारी और समय पर जांच गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोक सकती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि लगातार सिरदर्द को नजरअंदाज करने पर एक महिला में ब्रेन ट्यूमर पाया गया, लेकिन समय पर जांच से उसकी जान बच सकी। अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. गौरव शर्मा ने बताया कि सुबह के समय कमर में अकड़न, आराम करने पर दर्द बढ़ना और लंबे समय तक पीठ दर्द रहना एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस नाम की बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। यह बीमारी रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचा सकती है और भारत में यह पुरुषों में ज्यादा पाई जाती है। कैस इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने कहा कि इस तरह की बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में विशेषज्ञ डॉक्टरों और इलाज की सुविधा कई देशों की तुलना में ज्यादा आसानी से उपलब्ध है।

दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू से गोदकर की हत्या

नई दिल्ली। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताज़ा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि रात करीब 9 बजे नाबालिग को चाकू मारे जाने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नाबालिग को तुरंत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके पेट में चाकू के घाव थे। सोहेल के पिता पेशे से दर्जी हैं। सोहेल अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ याला इलाके में रहता था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो नाबालिगों को पकड़ लिया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि झगड़े के कारण उनलोगों ने उसपर हमला किया। जांच में पता चला कि पकड़े गए दोनों नाबालिग ने पढ़ाई छोड़ दी है। एक के पिता का देहांत हो चुका है और उसकी मां घरों में काम करती हैं, जबकि दूसरे के माता-पिता फैक्टरी में काम करते हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मेट्रो में मेक इन इंडिया को बढ़ावा लगेंगे देशी प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने की दिशा में अहम कदम उठाया है। अब प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) को स्वदेशी तकनीक से विकसित किया जाएगा। इसके लिए डीएमआरसी ने भारतीय कंपनियों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित किया है, जिसके तहत हाफ हाइट और फुल हाइट स्क्रीन डोर का डिजाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन देश में ही किया जाएगा। प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर मेट्रो प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच एक सुरक्षा अवरोध की तरह काम करते हैं, जो ट्रेन आने पर ही खुलते हैं। इससे ट्रैक पर गिरने, दुर्घटनाओं और आत्महत्या जैसी घटनाओं में कमी आती है। साथ ही, भीड़भाड़ के दौरान यात्रियों के आवागमन को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है, जिससे मेट्रो संचालन अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होता है। डीएमआरसी ने इस परियोजना में कम से कम 75 प्रतिशत स्थानीय सामग्री के उपयोग को अनिवार्य किया है, ताकि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल सके और विदेशी निर्भरता घटे। इसके साथ ही, इस तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार और सॉ टवेयर के सोर्स कोड पर डीएमआरसी और चयनित कंपनी का संयुक्त अधिकार होगा, जिससे भविष्य में देश इस तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। निजी एजेंसियों के चयन के लिए स त मानक तय किए गए हैं। केवल वही भारतीय कंपनियां आवेदन कर सकेंगी जिनके पास इस सिस्टम का कार्यशील प्रोटोटाइप मौजूद हो और जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो। साथ ही, किसी भी आपराधिक या दिवालिया मामले में शामिल कंपनियों को इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। केंद्र सरकार के नियमों के तहत भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों की भागीदारी वाली कंपनियों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रक्रिया का होगा ट्रायल - नई तकनीक को मौजूदा सिग्नलिंग सिस्टम, जैसे अल्स्टॉम और बॉ बार्डियर, के साथ तालमेल में काम करना होगा, ताकि मेट्रो संचालन प्रभावित न हो। इच्छुक एजेंसियां 28 मई 2026 तक आवेदन कर सकती हैं। चयनित कंपनियों को एक कोच की लंबाई के बराबर प्लेटफॉर्म पर ट्रायल करना होगा। पूरी प्रक्रिया में डिजाइनिंग के लिए चार महीने और इंस्टॉलेशन व टेस्टिंग के लिए लगभग दो महीने का समय निर्धारित किया गया है। यह पहल यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ देश को मेट्रो तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यात्रियों को मिलेगा सुरक्षा कवच - मेट्रो स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगने से यात्रियों की सुरक्षा में बड़ा सुधार होगा। ये दरवाजे ट्रेन आने पर ही खुलेंगे, जिससे ट्रैक पर गिरने, धक्का लगने या हादसों की संभावना काफी कम हो जाएगी। भीड़भाड़ के समय यात्रियों की आवाजाही व्यवस्थित रहेगी, जिससे भगदड़ जैसे हालात नहीं बनेंगे। इसके अलावा ट्रेन संचालन अधिक सटीक और समयबद्ध होगा, जिससे देरी कम होगी। स्वदेशी तकनीक के कारण सिस्टम का रखरखाव भी तेज और सस्ता होगा, जिसका सीधा लाभ बेहतर और भरोसेमंद मेट्रो सेवा के रूप में यात्रियों को मिलेगा।

दुकान के गल्ले से 3.85 लाख रुपये लेकर फरार नौकर

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में मिठाई की दुकान पर काम करने वाले नौकर की नियत खराब हो गई। वह दुकान के गल्ले में रखे 3.85 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। हौजकाजी थाना पुलिस से शिकायत हुई तो प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। उसकी लोकेशन मध्य प्रदेश की मिली। टीम ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता किया। बाद में उसे दबोच लिया गया। आरोपी की पहचान संजय शर्मा (47) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 1.28 लाख रुपये कैश और 1.97 लाख रुपये उसके खाते से बरामद किए हैं। आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि 29 अप्रैल को हौजकाजी थाना एरिया में चोरी की एक शिकायत मिली।। पीड़ित ने बताया कि उनकी चावड़ी बाजार में श्याम स्वीट्स के नाम से दुकान हैं। 28 अप्रैल की रात 9:00 बजे वह दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। इस बीच उनके नौकर ने दुकान खोलकर कैश चोरी कर लिया।

अपराध की राह पर बचपन, राजधानी में दुष्कर्म में लिप्त नाबालिगों की सं या में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। कभी स्कूल की घंटी और खेल के मैदान से पहचाना जाने वाला बचपन अब अपराध के आंकड़ों में दर्ज हो रहा है। राजधानी दिल्ली में नाबालिगों के हाथों दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में आई 121.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी न सिर्फ कानून व्यवस्था, बल्कि पूरे समाज के लिए गहरी चिंता का संकेत है। वर्ष 2024 में दुष्कर्म करने के आरोप में 66 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि 2025 में ये आंकड़ा 146 तक पहुंच गया। सभी तरह के अपराधों में नाबालिगों के शामिल होने की सं या में 21.67 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। आंकड़ा बताता है कि बच्चों का एक हिस्सा किस तेजी से गलत राह पर फिसल रहा है और यह सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर हम अपने बच्चों को किस दिशा में छोड़ आए हैं। कोई ऐसा दिन नहीं जाता है, जिस दिन अखबार में बाल अपराध से जुड़ी खबर न होती हो। इस विषय में दिल्ली पुलिस, सरकार और बच्चों की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे एनजीओ को गंभीरता से सोचना और काम करना होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए ये आंकड़े भारतीय आचार संहिता (बीएनएस) व आईपीसी के तहत दर्ज मामलों का है। दिल्ली पुलिस एक्ट के मामलों में कुल अपराध में 17.22 फीसदी का इजाफा हुआ है। बीएनएस और आईपीसी के तहत जहां वर्ष 2024 में 2999 नाबालिग पकड़े गए थे, वहीं वर्ष 2025 में पकड़े गए नाबालिगों की सं या 3649 हो गई। कुल अपराध में वर्ष 2024 में 3270 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि वर्ष 2025 में ये आंकड़ा 3833 तक पहुंच गया। साल 2025 में दिल्ली में नाबालिगों की ओर से किए जा रहे अपराध अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। बढ़ते अपराधों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है। दिल्ली में कई जिला पुलिस नाबालिगों को अपराध से दूर करने के लिए कार्यक्रम चला रही हैं। इसमें एनजीओ, मनोचिकित्सक की सहायता ली जा रही है। नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकाल कर रोजगार में लगवाया जा रहा है। कई बच्चे स्कूल बीच में छोड़ देते हैं और घर पर उनकी सही निगरानी नहीं हो पाती। माता-पिता के व्यस्त जीवन और टूटती पारिवारिक संरचना का असर बच्चों के व्यवहार पर साफ दिखने लगा है। गलत संगत में पड़े बच्चे धीरे-धीरे अपराध की ओर बढ़ जाते हैं और घरवालों को इसका अंदाजा भी नहीं होता। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने कम उम्र के बच्चों को एक ऐसी दुनिया दे दी है, जहां लोकप्रियता और स्टाइल की होड़ चलती रहती है। हथियार दिखाने वाले वीडियो, गैंगस्टर जैसे रील, और 'हीरो' बनने की चाह उन्हें गलत दिशा में धकेलने लगी है।बच्चों को यह समझ ही नहीं आता कि मनोरंजन के नाम पर देखा गया कंटेंट वास्तविक दुनिया में क्या असर डाल सकता है। दिल्ली में सक्रिय कई अपराधी गिरोह अब नाबालिगों को अपने साथ जोड़ने लगे हैं। उन्हें पैसों या नशे का लालच दिया जाता है और फिर छोटे-बड़े अपराध करवाए जाते हैं। गैंगस्टर जानते हैं कि नाबालिगों को कानून के तहत कम सजा मिलती है, इसलिए वे जोखिम भरे काम इन्हीं से करवाते हैं। बाइक चलाने वाले किशोर इन गिरोहों के सबसे आसान शिकार बन जाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संयुक्त परिवारों के बिखरने से बच्चों का भावनात्मक संतुलन कमजोर हुआ है। बड़े-बुजुर्गों की सीख, भाई-बहनों का सहारा और परिवार की सामूहिक देखभाल ने बच्चों को हमेशा सुरक्षित रखा था। अब बच्चों के पास न तो सही मार्गदर्शन है और न ही वह माहौल, जो उन्हें गलत कामों से दूर रख सके। किशोर उम्र में आकर्षण और जिज्ञासा स्वाभाविक है, लेकिन मोबाइल और सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध आपत्तिजनक सामग्री बच्चों के दिमाग पर गहरा प्रभाव डालती है। वे संबंधों, सफलता और प्रसिद्धि को बहुत हल्के में समझने लगते हैं और साथियों को प्रभावित करने के लिए गलत फैसले ले बैठते हैं। दिल्ली पुलिस नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकालने के लिए कई कदम उठा रही है। पुलिस के साथ ही साथ समाज की भी जि मेदारी है कि इन्हें गलत मार्ग पर जाने से रोका जाए। दिल्ली पुलिस अपनी ओर से नाबालिगों के लिए रूरल प्रतियोगिता, एंट्री ड्रग्स क्लब, युवा कार्यक्रम, प्रहरी क्लब के साथ ही बस्तियों में जाकर संपर्क भी करती है। एनजीओ, मनोचिकित्सक और शिक्षकों की सहायता भी ली जाती

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1281 टीएसआर के चालान

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले में अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड तीन पहिया स्कूटर रिक्शा (टीएसआर) के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया। ये वाहन ट्रैफिक नियम तोड़कर जाम, अवैध पार्किंग और सार्वजनिक असुविधा पैदा करते हैं। उपायुक्त ट्रैफिक पुलिस सतीश कुमार ने बताया कि शिव विहार, लोनी और खजूरी खास के आरडब्ल्यूए तथा स्थानीय निवासियों की लगातार शिकायतों पर पुलिस ने प्रमुख चौराहों, मु य सड़कों, बॉर्डर इलाकों और जाम वाली जगहों पर विशेष निगरानी और चेकिंग बढ़ाई। जांच में कई टीएसआर बिना वैध परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस व अन्य जरूरी दस्तावेजों के चलते पाए गए। यह वाहन ट्रैफिक नियमों का भी उल्लंघन करते पाए गए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक अनुशासन बहाल करने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। उल्लंघन करने वाले टीएसआर पर स त कार्रवाई हुई, जिसमें 1281 चालान काटे गए और गंभीर मामलों में 155 वाहन जब्त किए गए। उपायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए अभियान जारी

दहेज उत्पीड़न के आरोपों से हारा एक पति- शादी बनी अभिशाप, नहर में कूदकर दी जान

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले के चांदहट थाना क्षेत्र में एक युवक की ओर से आगरा नहर में कूदकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। परिजनों ने मृतक की पत्नी और उसके माता-पिता पर गंभीर आरोप लगाते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। औरंगाबाद गांव निवासी जिले सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा नरसिंह शादी के बाद से लगातार मानसिक तनाव में था। आरोप है कि उसकी पत्नी अंजली, सास महेंद्री और ससुर बच्चु सिंह उस पर अपनी जमीन पत्नी के नाम कराने का दबाव बना रहे थे। जमीन नाम न करने पर उसे दहेज उत्पीड़न के झूठे मामले में फंसाने और पुलिस कार्रवाई करवाने की धमकियां दी जाती थीं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पत्नी की ओर से महिला मंडल और अदालत में दहेज का केस दर्ज कराने की धमकी दी गई थी, जिससे वह टूट गया। शनिवार को नरसिंह अपने भाई अर्जुन के साथ घर से निकला और अलावलपुर क्षेत्र स्थित आगरा नहर पर पहुंचकर उसमें छलांग लगा दी। बाद में उसका शव अमरौली गांव के पास बरामद हुआ। थाना चादंहट पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर मृतक की पत्नी व उसके माता-पिता के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Yash Chauhan S/o Mr. Raju Chauhan is the owner of Freehold Residential Built-up Flat No.C-2 on Second Floor without roof rights on Property Bearing No.223 land area measuring 300 Sq. Yds. out of Khasra No.108 Situated at Village Rajpur Khurd, Falls in the Revenue Estate of Village Rajpur Khurd, New Delhi-110068. by virtue of Regd. GPA, ATS and WILL dated 18.03.2024 Vide Doc No.2025/7/IV/7500, Book No.4, Volume No.942, on Page Nos.35-46, Registered on 23.03.2024, in S.R-South Hauz Khas., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Nikhil Kumar Singh and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that We, (1) Mr. TEJ RAM @ TEJPAL aged about 61 years S/o Mr. LIKHI RAM SHARMA & (2) Mrs. PRABHA aged about 59 years W/o Mr. TEJPAL SHARMA both are R/o HOUSE No. S-120, TAJPUR PAHARI, NEAR NTPC GATE No. 2, BADARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044 have separated our disobedient real sons namely (1) MANOJ SHARMA aged about 39 years along with his wife (our daughter-in-law) namely Mrs. KHUSBOO aged about 31 years & their son (our Grandson) namely DEV SHARMA aged about 1.5 years AND another real son namely (2) Mr. ANUJ SHARMA aged about 35 years along with his wife (our daughter-in-law) namely Mrs. KUSUM SHARMA aged about 29 years & their son (our Grandson) namely VIRAT aged about 4 years & their daughter (our Grand-daughter) namely LAKSHITA aged about 7 years AND ALSO another real son namely (3) Mr. HARISH SHARMA aged about 32 years along with his wife (our daughter-in-law) namely Mrs. RADHA aged about 28 years & their son (our Grandson) namely DAKSH SHARMA aged about 4 years, they have been residing separately from our home, We have disowned/disinherited them from our moveable and immoveable properties. If any person's deal with any consideration amount they have sole responsible.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Smt. Gagandeep Kaur** is the owner of **Built-Up Property Bearing No. A-250, Block-A, Road No-6, Area Measuring 250 Sq. Yds. I.E., 209 Sq. Mtrs., Situated in The Area of Village Mahipalpur, Colony Known As Mahipalpur Extended Abadi, New Delhi-110037. vide C Gift Deed dated 27.04.2026 which is registered as** Doc no. 2026/8/I/2777, Book no. 1, Volume no. 4794, Pages no. 21-36, dated 05.05.2026, SRO- New Delhi Sarojini Nagar. and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Ayaz Ahmed S/o Mr. Sarfaraz Ahmed is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot area measuring 50 sq. yds. (i.e. 41.805 sq. mtrs.), out of Khasra No. 1233/2, Situated at Ram Vihar (Lokpriya Vihar) in Village Makanpur, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad, Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 05.02.2025, as Doc. No. 1462, Book No. 1, Volume No. 11896, on pages 325-354, on dated 05.02.2025 in SR-V, Ghaziabad. In the chain of documents, the (1) Death Certificate & SMC of late Mr. Mohd. Yusuf S/o Mr. Imam Baksh died on 07.10.2001 is not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, Swamy Hariharan Pattabi Muthu Sivan S/O Pattabi Muthu Sivan R/O House No-4181, Fourth Floor Sector-23 A, Cartarpuri Gurgaon Haryana 122017 I, Have Changed My Name To Swamy Hariharan p

NAME CHANGE

I PRADEEP KUMAR S/O KAUR CHAND R/O G-1/51SOUTH CITY 2 SOHNA ROAD SECTOR-49 ISLAMPUR(97) GURGAON HARYANA - 122018, HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME SAANVI TO SAANVI CHANDEL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I KM. KRATI D/O ASHISH AGGARWAL R/O 273, GALI NO-2 NEHARU NAGAR MEERUT CITY MEERUT UTTAR PRADESH-250002, HAVE CHANGED MY NAME TO KRATI AGARWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I Ashwani Kumar S/o Dev Kumar Yadav R/o G-101, Bestech Park View SPA, Sector-47, South City-II, Gurugram, Haryana - 122018, have changed my name to Ashwani Yadav

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री महेन्द्र सिंह, आवासीय मकान निर्मित प्लॉट (कुल क्षेत्रफल 180 वर्ग गज अर्थात 150.498 वर्ग मीटर) के स्वामी हैं, जो कि अंदरूनी आबादी, ग्राम जाफराबाद गनौली, परगना एवं तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री रूमल सिंह एवं श्री फतेह सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 19.11.1963 को विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्री बल्लू एवं श्री लखमी चंद को विक्रय की थी। दुर्भाग्यवश, श्री बल्लू (बल्लूमल) का निधन दिनांक 10.05.1993 को तथा श्री लखमी चंद का निधन दिनांक 20.06.1997 को हो गया। उनके निधन के पश्चात, उनके विधिक उत्तराधिकारियों, श्री छुट्टन लाल एवं श्री प्रमोद कुमार ने दिनांक 06.04.2023 को विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री महेन्द्र सिंह को विक्रय कर दी। यह संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक, ऋण एवं देनदारियों से मुक्त है तथा वर्तमान में इसका कब्जा श्री महेन्द्र सिंह के पास है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को (RBL Bank Ltd.), आरबीएल बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, श्री तेज राम @ तेजपाल, उम्र लगभग 61 वर्ष पुत्र श्री लिखी राम शर्मा, तथा श्रीमती प्रभा, उम्र लगभग 59 वर्ष पत्नी श्री तेजपाल शर्मा, दोनों निवासी मकान नं. स-120, ताजपुर पहाड़ी, एनटीपीसी गेट नं. 2 के पास, बदरपुर, साउथ दिल्ली, दिल्ली-110044 ने अपने पुत्रान (1) श्री मनोज शर्मा, उम्र लगभग 39 वर्ष, उसकी पत्नी (हमारी पुत्रवधु) श्रीमती खुशबू, उम्र लगभग 31 वर्ष, तथा उसके पुत्र (हमारे पौत्र) देव शर्मा, उम्र लगभग 1.5 वर्ष, के साथ; तथा हमारे अन्य सगे पुत्र (2) श्री अनुज शर्मा, उम्र लगभग 35 वर्ष, उसकी पत्नी (हमारी पुत्रवधु) श्रीमती कुसुम शर्मा, उम्र लगभग 29 वर्ष, तथा उसके पुत्र (हमारे पौत्र) विराट, उम्र लगभग 4 वर्ष, एवं उसकी पुत्री (हमारी पौत्री) लक्षिता, उम्र लगभग 7 वर्ष, के साथ; तथा हमारे अन्य सगे पुत्र (3) श्री हरीश शर्मा, उम्र लगभग 32 वर्ष, उसकी पत्नी (हमारी पुत्रवधु) श्रीमती राधा, उम्र लगभग 28 वर्ष, तथा उसके पुत्र (हमारे पौत्र) दक्ष शर्मा, उम्र लगभग 4 वर्ष, के साथ। सहित अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उन सबसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उन सबसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सोनी अग्रवाल पत्नी श्री रवि अग्रवाल, संपत्ति संख्या 4840, लड्डू घाटी, खारी कुआँ, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निर्मित 60 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली तृतीय तल (थर्ड फ्लोर) की फ्लैट, बिना छत अधिकार (Without Roof Rights) की विधिवत मालकिन हैं। उक्त संपत्ति उन्हें श्री बृज भूषण शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री राम प्रताप द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) दिनांक 18.09.2019 के माध्यम से प्राप्त हुई, जो दस्तावेज संख्या 8403, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 18093, पृष्ठ संख्या 192 से 200, दिनांक 18.09.2019 को एस.आर.ओ.-III, नई दिल्ली में पंजीकृत है।

यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति से संबंधित प्रॉपर्टी चेन की प्रतिलिपि, स्वर्गीय श्रीमती दया वती का मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वर्गीय श्रीमती प्रकाश वती का मृत्यु प्रमाण पत्र तथा सर्वाइविंग मेंबर सर्टिफिकेट (Surviving Member Certificate) गुम/खो गए हैं अथवा विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं हैं, जबकि इनके लिए पर्याप्त खोजबीन की गई।

इसके अतिरिक्त, उक्त संपत्ति पर वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषण (Finance) प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का दावा, आपत्ति, अधिकार, बंधक, विवाद अथवा हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपने समस्त प्रमाण-पत्रों सहित लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को रजिस्टर्ड डाक तथा ई-मेल के माध्यम से नीचे दिए गए पते पर प्रेषित करें। अन्यथा, निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto known as MUSKAN KUMARI W/o SANJIT PAL, R/o Door C-95, Sector-105, VTC Gautam Buddha Nagar, PO Noida, Distt. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as POOJA PAL, for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHANTABAI legally mother of Army no -2805580 X, Rank - Hav, Name - NITIN NAIK, At - Tardal, Post- Tardal, Teh - Hatkangale, Dist - Kolhapur, State- Maharashtra, Pin - 416121 have changed my name from SHANTABAI to SHANTABAI SADASHIV NAIK for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 16/01/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1965, Vide Affidavit dated 08/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I SADASHIV legally father of Army no -2805580 X, Rank - Hav, Name - NITIN NAIK, At - Tardal, Post- Tardal, Teh - Hatkangale, Dist - Kolhapur, State- Maharashtra, Pin - 416121 have changed my name from SADASHIV to SADASHIV DATTU NAIK for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 16/01/1969 instead of my correct date of birth as 23/07/1947, Vide Affidavit dated 08/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, MANISHA, is legally mother of Army No. 2814201X, Rank – Nk, Name – CHOPDE KETAN DTTATRAY, presently residing at Vill – Pimpalgoan Baswant, Post – Pimpalgoan Baswant, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – MH, Pin – 422209, have changed my name from MANISHA to MANISHA DATTATRAYA CHOPADE for all future purposes. Vide affidavit dated 08/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KALE GANESH EKNATH, is legally father of Army No. 2815470W, Rank – Sep, Name – KALE RAMESH GANESH, presently residing at Vill – Dhotra Bhangoji, Post – Dhotra Bhangoji, Teh – Chikhali, Dist – Buldhana, State – Maharashtra, Pin – 443001, have changed my name from KALE GANESH EKNATH to GANESH EKNATH KALE and date of birth from 03/03/1964 to 01/01/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 08/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KIRAN, is legally spouse of Army No. 2815470W, Rank – Sep, Name – KALE RAMESH GANESH, presently residing at Vill – Dhotra Bhangoji, Post – Dhotra Bhangoji, Teh – Chikhali, Dist – Buldhana, State – Maharashtra, Pin – 443001, have changed my name from KIRAN to KIRAN RAMESH KALE for all future purposes. Vide affidavit dated 08/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VANDANA, is legally mother of Army No. 2815470W, Rank – Sep, Name – KALE RAMESH GANESH, presently residing at Vill – Dhotra Bhangoji, Post – Dhotra Bhangoji, Teh – Chikhali, Dist – Buldhana, State – Maharashtra, Pin – 443001, have changed my name from VANDANA to VANDANA GANESH KALE for all future purposes. Vide affidavit dated 08/05/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, AJEET KUMAR S/O HAJARI LAL MAURYA R/O H-247, TYPE-II OUARTER.KALIBARI MARG, GOLE MARKET, NEW DELHI, G.P.O NEW DELHI, DELHI-110001 declare that name of My wife and my minor has been wrongly written as MANJU DEVI and AMAN MAURYA in my minor son namely AMAN KUMAR aged 16 years in his birth certificate no- MINPB-2012-00491.The actual name of my wife and my minor son are MANJU and AMAN KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SUNDER LAL S/O DEWAN CHAND TAYAL residing at E-301 3RD FLOOR EAST OF KAILASH DELHI 110065 have changed my name to SUNDER LAL TAYAL for all future purpose.

NAME CHANGE

I, BHARAT BHATIA S/O VINOD KUMAR BHATIA residing at H NO-180, HARGOBIND ENCLAVE, DELHI-110092. have changed my name to BHARAT LAL BHATIA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SUBHASHREE LENKA W/O SAGAR KUMAR LENKA Resident of VPO-GODA, TEHSIL-ERASAMA, DIST-JAGATSINGHPUR, ODISHA-754110, have changed my name from SUBHASHREE LENKA to SUBHASHREE NAYAK for all future purposes vide affidavit dated 11-03-2026 before the Executive Magistrate, Balikuda, Odisha.

NAME CHANGE

I, SHANJAY KUMAR SHARMA S/O DEO NATH SHARMA residing at H NO-59, SECOND FLOOR, GALI NO-1, KAKROLA HOUSING COMPLEX, NEW DELHI-110078 Have changed my name to SANJAY SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANITA VERMA W/O RANJAN VERMA R/O F-5, SECOND FLOOR, SCHOOL ROAD, NARAYAN APPARTMENT, KHANPUR EXTN, KHANPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110062 Have changed my name from ANITA DEVI to ANITA VERMA for all future Purpose. I declare that ANITA VERMA & ANITA DEVI both are same person

NAME CHANGE

I, KAPIL S/O VIJAY KUMAR residing at H NO-609, GALI NO-6, GOVIND PURI, NEW DELHI-110019 Have changed my name to KAPIL KUMAR for all future purpose. .

सार्वजनिक सूचना

मैं, जसपाल सिंह तलवार पुत्र महिंद्र सिंह तलवार, निवासी बी-16, द्वतीय मंज़िल आनंद विहार, ईस्ट दिल्ली-110092, अपना नाम जसपाल सिंह तलवार से बदलकर जसपाल सिंह कर लिया है। भविष्य में सभी कार्यों हेतु जसपाल सिंह नाम से जाना जाऊँगा। शपथ पत्र IN-DL01509654372694Y दिनांक 29/04/2026, नोटरी पब्लिक, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली।

सार्वजनिक सूचना

मैं, सीमा वैद पत्नी जसपाल सिंह, निवासी बी-16, द्वतीय मंज़लि आनंद विहार, ईस्ट दिल्ली-110092, ने अपना नाम सीमा वैद से बदलकर सिमरन तलवार कर लिया है। भविष्य में सभी कार्यों हेतु सिमरन तलवार नाम से जानी जाऊँगी। शपथ पत्र नं. इ्ह-DL01595082461562Y दिनांक 29/04/2026, नोटरी पब्लिक, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by **Vinay Sharma** who is the owner of Ground Floor, without roof rights of Entire Ground Floor without roof rights, admeasuring 93.82 Sq. Yards, Portion of Property No. 9652, 10227-10228, Library Road, Azad Market, Delhi 110006 Vide Relinquishment Deed dated 23.02.2026 which is registered as Doc. No. 2026/19/I/2712, Book no.1, vol. no. 13444, Page no. 191 to 198, on 23.03.2026, SRO- I- Kashmere Gate & Relinquishment Deed dated 16.01.2026 which is registered as doc. no. 2026/19/I/706, book no.1, vol. no. 04.02.2026, SRO- I- Kashmere Gate, Central. and will be taking financial assistance from **Godrej Finance Limited.** That The Original **Original Release Deed dated 06.01.1992 executed by Mrs. Bimal Rani in favour of Mrs. Lakshmi Rani and Mrs. Prabha Rani in respect of her share in the Municipal Corporation New no. 10227-28,ward no. XII, Registered as doc. no. 101, on 06.01.1992, SRO- Delh & Original Sale Deed dated 13.09.1988 executed by Mr. Surender Mohan Batra in favour of Mr. Laxmi Rani and Mrs. Prabha Rani in respect of the House bearing Municipal no. 9652, ward no. XII (G.F) are lost/Misplaced.** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I Reeta, D/O Rajender Singh Pal, R/O C-30, Kewal Park, Azadpur Shanjur Pur, N.S Mandi, North West Delhi, Delhi, 110033 have changed my name to Reeta Pal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Jagdish, S/O Mange Lal, R/O R-1241, Mangolpuri, Mangolpuri N Block, North West Delhi, Delhi, 110083 have changed my name to Jagdish Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I Pawan, S/O Balram Shah, R/O A-568 A-BLK, Raja Vihar, Badli, North West Delhi, Delhi, 110042 have changed my name to Pawan Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rekha, W/O Balram Shah, R/O Khasra No- 934 Raja Vihar Badli North West Delhi, Delhi, 110042 have changed my name to Rekha Devi for all future purposes.

NAME CHANGE

I TULSA BAI legally mother of Army no -15220031X, Rank - Hav, Name - KODAG NAVNATH BAJIRAO At - Avandhi, Post-Avandhi Teh - Jath, Dist - Sangli State- Maharastra, Pin - 416404 have changed my name from TULSA BAI to TULASABAI BAJIRAO KODAG for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 1960 instead of my correct date of birth as 01/06/1960 Vide Affidavit dated 07/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SUMIT S/O SATISH GARG R/O A-14,3RD FLOOR,SIGNATURE GLOBAL CITY 63A,KADARPUR ROAD,SECTOR-63ABADSHAHPUR,GURGAON,HARYANA-122101,HAVE CHANGED MY NAME TO SUMIT GARG FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Farzana Begum D/o Mohammad Hidayat Khan, R/o 6936, Gali Goni Wali, Ahata Kidara, Delhi-110006, have changed my name to Farzana Hidayat Khan for all purposes. Henceforth, I shall be known and called by the name Farzana Hidayat Khan in all records and documents.

NAME CHANGE

I, DEEKSHA BANSAL W/O PRABHDEEP SINGH CHOWDHARY residing at HOUSE NO-112, UPPER GROUND FLOOR, SAINI ENCLAVE KARKARDOOMA, DELHI-110092 Have changed my name to DEEKSHA BANSAL KAUR for all future purpose.

NAME CHANGE

I Mohd Rizwan Khan s/o:Mohd Irfan R/o A- 790, JJ COLONY CAMP N 2, BUDH BAZAR ROAD, NANGLOI, Nilothi, Delhi, 110041 have changed my name to Mohd Rizwan for all future purposes.

NAME CHANGE

I Adarsh Kumar Suryam S/o Ashok Kumar Suryan R/o HOUSE NO-202 POCKET-24 SECTOR-24 ROHINI Rohini Sector-7 North West Delhi Delhi-110085 have changed my name to Adarsh Kumar Suryan for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गौरव चौहान** पुत्र पृथ्वी राज सिंह, निवासी- मकान नंबर 226, वार्ड नंबर 1, सालेह नगर, लोनी, गाजियाबाद ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 269/2021 धारा 380/457/411 भा.द.स, थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गौरव चौहान** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **गौरव चौहान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **गौरव चौहान, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 269/2021 धारा 380/457/411 भा.द.स, थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री श्रुति सारस्वत
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
उत्तर-पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/5926/NE/2026

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में निकाय चुनाव के मद्देनजर 10 मई को वेतन सहित अवकाश

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 10 मई को नगर निकायों के आम चुनाव के मद्देनजर संबंधित क्षेत्रों में पंजीकृत मतदाताओं के लिए वेतन सहित अवकाश घोषित किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। अधिसूचना के अनुसार, अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों में मेयर तथा सभी वार्डों के पार्षदों के चुनाव, रेवाड़ी नगर परिषद में अध्यक्ष और पार्षदों के चुनाव तथा रोहतक जिले की सांपला, रेवाड़ी जिले की धारूहेड़ा और हिसार जिले की उकलाना नगर पालिकाओं में अध्यक्ष एवं पार्षदों के चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा। इसके अतिरिक्त छह रिक्त वार्डों में उपचुनाव भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें नगर परिषद टोहाना (फतेहाबाद) का वार्ड संख्या 17, नगर परिषद झज्जर का वार्ड संख्या 13, नगर पालिका राजौंद (कैथल) का वार्ड संख्या 11, नगर पालिका तरावड़ी (करनाल) का वार्ड संख्या 08, नगर पालिका कनीना (महेंद्रगढ़) का वार्ड संख्या 14 तथा नगर पालिका सढौरा (यमुनानगर) का वार्ड संख्या 09 शामिल हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-बी के तहत राज्य सरकार के उन कर्मचारियों, जो उपरोक्त क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता हैं, के लिए हरियाणा सरकार के सभी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों तथा शैक्षणिक संस्थानों में वेतन सहित अवकाश रहेगा, ताकि वे मतदान कर सकें।

लाइसेंसधारकों को एक माह में देनी होगी हथियार के इस्तेमाल की सूचना

सोनीपत। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने जिले में हथियार लाइसेंस धारकों और गन हाउस संचालकों को निर्देश जारी किए हैं कि उन्हें तीस दिन के भीतर अपने हथियार के इस्तेमाल की सूचना देनी होगी। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जिले के कुल 15 थाना क्षेत्रों में लगभग छह हजार 355 लाइसेंसशुदा हथियार दर्ज हैं। सबसे अधिक 737 लाइसेंसशुदा हथियार खरखौदा थाना क्षेत्र में हैं। इसके बाद सदर गोहाना में 672 और सोनीपत सिटी थाना क्षेत्र में 667 हथियार दर्ज हैं। गन्नौर थाना क्षेत्र में 611, एचएसआईआईडीसी बड़ी में 127, मुरथल क्षेत्र में 210, बहालगढ़ थाना क्षेत्र में 216, राई क्षेत्र में 154, कुंडली क्षेत्र में 331 और सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में 416 लाइसेंसशुदा हथियार दर्ज हैं। सेक्टर 27 थाना क्षेत्र में 384, सदर थाना क्षेत्र में 543, मोहाना थाना क्षेत्र में 230, गोहाना सिटी थाना क्षेत्र में 570 और बरोदा थाना क्षेत्र में 478 लाइसेंसशुदा हथियार दर्ज किए गए हैं। निर्देशों के अनुसार प्रत्येक लाइसेंसधारक को अपने हथियार के उपयोग की सूचना 30 दिन के भीतर संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकरण को देना अनिवार्य होगा। सूचना में उपयोग की तारीख, स्थान, उद्देश्य और चलाई गई कारतूस की संख्या का पूरा विवरण देना होगा। साथ ही हथियार उपयोग के बाद सभी खाली कारतूस जमा कराना भी जरूरी है। यदि किसी कारण कारतूस उपलब्ध नहीं हों तो लिखित स्पष्टीकरण देना होगा।

सिरसा में आयकर विभाग ने तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी

सिरसा। आयकर विभाग की अलग-अलग टीमों ने जिले में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि विभागीय टीमें सुबह सिरसा पहुंचीं और पांच घंटे तक दस्तावेजों की गहन जांच की। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जीएसटी चोरी से जुड़े मामले में की गई है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। विभाग की टीमों ने सिरसा में व्यापारी सुभाष गोयल, ललित व सुशील साहुवाला के आवास पर एक साथ छापामार कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि इन कारोबारियों का पहले दिल्ली में कारोबार था और जीएसटी अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच चल रही है। इसी कड़ी में सिरसा में भी यह कार्रवाई की गई है। विभागीय टीमों ने करीब पांच घंटे तक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की गहन जांच की। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि टीमों को क्या कुछ मिला है, लेकिन आयकर विभाग की कार्रवाई से शहर में चर्चाओं का माहौल गर्म रहा।

गैंग के नाम पर एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाले गिरफ्तार

सोनीपत। सोनीपत के गोहाना में पुलिस ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रोहतक निवासी मोकुल और राहुल के रूप में हुई है। दोनों ने गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का नाम लेकर युवक को डराने और उससे रकम वसूलने की योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार पूरा मामला पहले से सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने विदेशी नंबर के जरिए पीड़ित को वॉट्सएप कॉल की। कॉल पर खुद को कुख्यात गैंग से जुड़ा बताकर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। शिकायत मिलते ही गोहाना पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों तथा पूछताछ के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मामले से जुड़ी अन्य कड़ियों की जांच जारी है। पीड़ित पिछले तीन साल से यूएसए में रह रहा था और आठ अप्रैल को भारत लौटा था। विदेश में रहने के कारण उसकी अच्छी कमाई होने की जानकारी उसके परिचितों और रिश्तेदारों को थी। इसी आधार पर आरोपियों ने उसे आसान निशाना समझकर रंगदारी की योजना बनाई।

हरियाणा करेगा राष्ट्रमंडल संसदीय संघ जोन-2 सम्मेलन की मेजबानी

एजेंसी
चंडीगढ़। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के जोन-2 सम्मेलन की मेजबानी हरियाणा करेगा। यह सम्मेलन लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में 8 से 10 जून के बीच चंडीगढ़ में होगा। इसके लिए हरियाणा विधान सभा सचिवालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस सिलसिले में विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अधिकारियों के साथ बैठक कर योजना का प्रारम्भिक खाका तैयार किया।

गौरतलब है कि गत वर्ष 12 सितंबर को बेंगलुरु में आयोजित सीपीए के 11वें भारतीय क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण को सीपीए जोन-2 का चेयरपर्सन नियुक्त किया था। कल्याण के सीपीए जोन-2 के अध्यक्ष होते हुए यह पहला सम्मेलन हरियाणा में आयोजित किया जा रहा है।

हरियाणा की मेजबानी में होने जा रहे इस सम्मेलन में पूर्व में आयोजित सम्मेलनों में पारित प्रस्तावों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सीपीए भारतीय क्षेत्र के अध्यक्ष हैं। सीपीए के भारतीय क्षेत्र में भारतीय संसद तथा 31 विधान मंडल शामिल हैं। वहीं, सीपीए के भारतीय क्षेत्र के 9 जोन हैं। इनमें से जोन-2, जिसके चेयरपर्सन हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण हैं, उसमें हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के विधान मंडल शामिल हैं। इस सम्मेलन में इन पांचों राज्यों के विधानमंडलों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भाग लेंगे।

उल्लेखनीय है कि सीपीए राष्ट्रमंडल देशों के विधान मंडलों का संगठन है। इसकी स्थापना 1911 में हुई थी तथा इसका मुख्यालय लंदन में है। इसमें 180 से अधिक राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानमंडल (शाखाएं) शामिल हैं। इसका उद्देश्य संसदीय लोकतंत्र के ज्ञान और समझ को बढ़ाना, संसद सदस्यों के बीच सहयोग बढ़ाना और संसदीय प्रथाओं को साझा करना है। भारत में लोक सभा सचिवालय सीपीए की गतिविधियों का समन्वय करता है। हरियाणा विधान सभा द्वारा तैयार की गई योजना के प्रारंभिक प्रारूप को लोक सभा सचिवालय की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। हरियाणा की मेजबानी में होने जा रहे इस सम्मेलन में पूर्व में आयोजित सम्मेलनों में पारित प्रस्तावों पर भी चर्चा होने की संभावना है। सीपीए जोन-2 सम्मेलन में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश आदि को आमंत्रित किया जा रहा है। इनके अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के विधानमंडलों के अध्यक्ष भी इस सम्मेलन में विशेष आमंत्रित होंगे।

यमुनानगर में सफाई कर्मचारियों ने सड़क पर कूड़ा डालकर किया प्रदर्शन

एजेंसी
यमुनानगर। यमुनानगर में विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत सफाई कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया। कर्मचारियों ने वर्कशॉप रोड पर कूड़ा डालकर प्रदर्शन किया और काफ़ी समय तक यातायात बाधित रखा। प्रदर्शन के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी वर्कशॉप रोड पर एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि उनकी लंबित मांगों पर लगातार अनदेखी की जा रही है और वार्ता के लिए भी पहल नहीं की जा रही। प्रदर्शन के कारण शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। कई वाहन चालक लंबे समय तक जाम में फंसे रहे, जबकि अनेक लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल को मौके पर तैनात करना पड़ा। आंदोलन के समर्थन में किसान यूनियन और रोडवेज कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। इसी दौरान प्रदर्शन स्थल पर सफाई कर्मचारियों और ठेकेदार पक्ष के बीच तीखी बहस भी हो गई। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि आंदोलन को बदनाम करने के उद्देश्य से सड़क किनारे कूड़े के ढेर लगवाए जा रहे हैं। विवाद बढ़ने पर पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया। करीब डेढ़ घंटे बाद यातायात दोबारा सुचारु कराया गया। सर्व कर्मचारी संघ के नेता महिपाल सोडे ने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

जिला केंद्रों पर पैथोलॉजी लैब और जन औषधि केंद्र खोलेगा रेडक्रास : मिगलानी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा रेडक्रास सोसायटी निकट भविष्य में जिला केंद्रों पर पैथोलॉजी लैब के साथ जन औषधि केंद्रों की स्थापना भी करेगी। हरियाणा रेडक्रास के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी ने विश्व रेडक्रास दिवस की पूर्व संध्या पर चंडीगढ़ में यह जानकारी दी। मिगलानी ने बताया कि हरियाणा रेडक्रास द्वारा पिछले समय के दौरान कई तरह बदलाव करते हुए सोसायटी को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष और राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष के सहयोग से जिला रेडक्रास शाखाओं में एबुलेंस सेवाओं का विस्तार करने के लिए राज्यपाल के विवेकाधीन कोष से 1.20 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया। इस अनुदान से 10 एंबुलेंस खरीदी गई,जिन्हें औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की मदद के लिए लगाया गया है। राशन डिपो पर दिव्यांगजनों की अलग से लाइन और प्राथमिकता के आधार पर राशन वितरण की योजना को लागू किया गया है। आने वाले समय में युवा पीढ़ी को राष्ट्र सेवा के साथ जोडने के लिए जेआरसी और वाईआरसी गतिविधियों के आयोजन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा आपदा प्रबंधन में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आपदा मित्र तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोसायटी द्वारा पांच हजार से ज्यादा रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 3.50 लाख यूनिट रक्त एकत्रित करके जरूरतमंद लोगों की मदद की गई है। इसके अलावा बहुत जल्द जिला स्तर पर रेडक्रास की मदद से ड्राइविंग टेस्ट का आयोजन भी शुरू किया जाएगा।

PSC सिविल सेवा परीक्षा 24 मई को,फरीदाबाद में 37, गुरुग्राम में 52 परीक्षा केंद्र

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आगामी 24 मई को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा ली जाने वाली सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2026 के सुचारू संचालन के लिए सम्बन्धित जिलों में पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा के संचालन के लिए फरीदाबाद में 37 तथा गुरुग्राम में 52 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गुरुग्राम और फरीदाबाद जिलों के पुलिस आयुक्त, उपायुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं, कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा इंतजामों तथा परीक्षा के निष्पक्ष एवं

सुचारू संचालन से संबंधित अन्य प्रबंधों की विस्तृत समीक्षा की।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं तथा सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर रखा जाए।

उन्होंने कहा कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति, सुगम परिवहन सुविधाएं और प्रभावी भीड़ प्रबंधन के लिए समय रहते सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने तथा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि परीक्षा ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता, ईमानदारी और पेशेवर तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन करें ताकि परीक्षा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

पुलिस अधीक्षक ने थानों का किया औचक निरीक्षण, लंबित केस निटाने के निर्देश

अपराध रिकॉर्ड, हिस्ट्रीशीटरों और सक्रिय अपराधियों की ली विस्तृत जानकारी

एजेंसी
नारनौल। जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक दीपक ने शुक्रवार को थाना सतनाली और थाना सदर महेंद्रगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थानों के विभिन्न विभागों का बारीकी से जायजा लेते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना सतनाली के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार तथा थाना सदर महेंद्रगढ़ के प्रभारी एसआई रमेश से थानों की कार्यप्रणाली, अपराध रिकॉर्ड, हिस्ट्रीशीटरों और सक्रिय अपराधियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मालखाना, रिकॉर्ड रूम, पुलिस मैस और थाना परिसर में साफ-सफाई, बिजली व पानी की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने अनुसंधान अधिकारियों को सख्त

निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी मामले की जांच अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर समय पर अदालत में चालान पेश किए जाएं, ताकि पीड़ितों को जल्द न्याय मिल सके। उन्होंने क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्त बढ़ाने, संदिग्ध और आपराधिक तत्वों की पहचान कर कार्रवाई करने तथा आमजन के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने पर भी जोर दिया। साथ ही नशा तस्करी और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

औचक निरीक्षण के दौरान एसपी ने थानों में पहुंचे फरियादियों से भी सीधे बातचीत की और उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत पर पूरी पारदर्शिता के साथ नियमानुसार और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य आमजन को सुरक्षित वातावरण देना और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान करना है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों में भी सतर्कता देखने को मिली।

तीनों नगर निगमों में कांग्रेस की जीत पक्की: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी
सोनीपत। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा कि नगर निगम चुनाव में जनता इस बार सत्ताधारी दल को सबक सिखाएगी। बैठक में हरियाणा कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद भी मौजूद रहे। हुड्डा ने दावा किया कि तीनों नगर निगमों में कांग्रेस के मेयर बनेंगे और पार्टी को बड़ी जीत मिलेगी। बैठक में हुड्डा ने कहा कि पिछले 12 साल में राज्य में विकास की रफ्तार थम गई है। उनके अनुसार वर्ष 2014 से पहले हरियाणा कई मानकों पर अग्रणी था, लेकिन अब अपराध, बेरोजगारी, महंगाई और प्रदूषण बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को असुरक्षित राज्यों में गिना गया है। स्थानीय निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई शहरों में सफाई व्यवस्था कमजोर है और सफाईकर्मियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया। हुड्डा ने कांग्रेस के मेयर उम्मीदवार कमल दीवान और सभी पार्षद उम्मीदवारों के समर्थन में वोट की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हर बूथ पर पूरी ताकत से जुटकर पार्टी की जीत सुनिश्चित करें। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प दोहराया।

कांग्रेस हरियाणा के प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ रही है और जनता के बीच सरकार की नाकामियों को मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे राज्यों में धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों के सहारे वोट जुटाए गए। उनके अनुसार पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में वोट प्रभावित हुए, जिसे लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं माना जा सकता। हरिप्रसाद ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान कई स्मार्ट सिटी विकसित की गईं, जबकि वर्तमान सरकार के लंबे कार्यकाल में नई स्मार्ट सिटी नहीं बनीं। बैठक के अंत में नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करें और मतदान के दिन अधिक से अधिक लोगों को मतदान केंद्र तक लाने का प्रयास करें।

भव्य तरीके से आयोजित किया जाए सोमनाथ स्वाभिमान पर्व: राजेश खुल्लर

एजेंसी
चंडीगढ़। मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन से प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इस दौरान उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि आगामी 11 मई को भव्य तरीके से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जाए। इसे लेकर जिलास्तर पर सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। विनाशकारी प्रहारों के बाद भी सोमनाथ मंदिर आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले आधुनिक सोमनाथ मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। 11 मई 2026 को पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे। इस दिन देशभर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस दौरान कलश यात्रा, आध्यात्मिक आयोजन, भारत की विरासत परंपरा पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सीपीएससीएम राजेश खुल्लर ने सभी जिला उपायुक्तों को इस कार्यक्रम को भव्य तरीके से आयोजित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री का संबोधन सोमनाथ से रहेगा लाइवः सीपीएससीएम राजेश खुल्लर ने कहा कि 11 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सोमनाथ मंदिर से लाइव संबोधन रहेगा। यह लाइव टेलिकास्ट प्रत्येक जिले में आयोजित होने वाले जिलास्तरीय कार्यक्रम में दिखाया जाएगा। जिलास्तर पर कलश यात्रा का आयोजन होगा, जिसका समापन शिव मंदिर में जलाभिषेक से होगा।

उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम का निमंत्रण दिया जाए। यह हमारे गौरवशाली इतिहास का हिस्सा बनने का अहम मौका है। इसमें अधिक से अधिक लोग अपनी जन भागीदारी दिखाएं।

5 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 10 मई से फिर बदलेगा मिजाज

एजेंसी
नारनौल/रोहतक। हरियाणा के मौसम में एक बार फिर बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने राज्य के पांच जिलों–गुरुग्राम, महेंद्रगढ़, नूंह, पलवल और रेवाड़ी–में गरज-चमक के साथ बारिश, आंधी और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। रेवाड़ी में शुक्रवार सुबह बिजली की चमक के साथ बूंदाबांदी भी दर्ज की गई है। मौसम विभाग की सिनॉप्टिक विशेषताओं के अनुसार, वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ ट्रफ के रूप में सक्रिय है। इसके अलावा, 10 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जो पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसका असर हरियाणा के मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल सकता है।

पिछले 24 घंटों में प्रदेश के औसत अधिकतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। हालांकि, आगामी दिनों में पारा फिर से चढ़ने का अनुमान हैः सबसे गर्म क्षेत्रः दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में पारा 42 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

रोहतक और सिरसाः सिरसा में अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि रोहतक के सबसे गर्म रहने के आसार हैं।

उत्तरी हरियाणाः यहाँ अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री के बीच

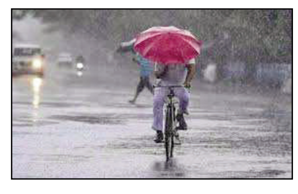

रहने का अनुमान है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक बने रहने की संभावना है। आगामी दिनों में विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान 22 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। पानीपत, सोनीपत और करनाल के कुछ हिस्सों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में पारा सामान्य से ऊपर रहेगा।

हरियाणा के राज्यपाल से मिले 2025 बैच के आईएएस प्रोबेशनर्स

एजेंसी
चंडीगढ़। वर्ष 2025 बैच के छह आईएएस प्रोबेशनर्स, जिन्हें हरियाणा कैडर आवंटित किया गया है, ने आज यहां लोक भवन में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की। प्रोबेशनर्स अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए राज्यपाल ने उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से करने तथा अपनी सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. असीम कुमार घोष ने युवा अधिकारियों को लोक प्रशासन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुशासन सुनिश्चित करने, जनसेवाओं की प्रभावी एवं समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने तथा कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को आमजन तक उनकी वास्तविक भावना के अनुरूप पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

राज्यपाल ने आईएएस प्रोबेशनर्स को सार्वजनिक सेवा के दौरान मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए भी

प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को उज्ज्वल एवं सफल प्रशासनिक करियर के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव विजय कुमार भाविकट्टी, कार्मिक, प्रशिक्षण एवं संसदीय कार्य विभाग के सचिव पंकज तथा आईएएस प्रोबेशनर्स अमिततेज पांगटे, मुस्कान श्रीवास्तव, शिवानी पांचाल, सोहम शैलेंद्र, विशाल सिंह और विवेक यादव उपस्थित थे।

हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध चिंताजनक : कुमारी सैलजा

एजेंसी
चंडीगढ़ । सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद जिस प्रकार हरियाणा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में देश में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, वह बेहद गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है। रिपोर्ट के अनुसार नाबालिग लड़कियों की तस्करी के मामलों में हरियाणा देश में सबसे आगे है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। यह स्थिति हरियाणा जैसे प्रगतिशील प्रदेश के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा को विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में देश के लिए उदाहरण बनना चाहिए था, लेकिन आज प्रदेश अपराध, भय और असुरक्षा की घटनाओं के कारण चर्चा में है। महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर आम परिवारों में चिंता का माहौल है।सांसद ने कहा कि प्रदेश में बढ़ता नशा और बेरोजगारी भी अपराधों में वृद्धि का बड़ा कारण बन रहे हैं। युवाओं के सामने रोजगार के अवसर सीमित होते जा रहे हैं, जिसके कारण अपराध और गैंगवार जैसी घटनाओं में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। यह स्थिति समाज के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। कुमारी सैलजा ने प्रदेश सरकार से मांग की कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सख्त और ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही नशे के नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि केवल दावे और प्रचार से स्थिति नहीं सुधरेगी, सरकार को जमीन पर परिणाम देने होंगे। सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश की महिलाओं, युवाओं और आम जनता की सुरक्षा एवं सम्मान के मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी और सरकार को उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराती रहेगी। सांसद ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार देश में 2024 में लडकियों की तस्करी के 1659 केस हुए इनमें सबसे ज्यादा हरियाणा में दर्ज हुए। लोकसेवकों द्वारा किए जा रहे ।

वन ईएमआई टेक का शेयर 12 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

ऑनलाइन ऋण देने वाले मंच किश्त का संचालन करने वाली कंपनी वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शुक्रवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 171 रुपये के मुकाबले करीब 12 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को पहले दिन ही अच्छा मुनाफा मिला। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर ने 11.69 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 191 रुपये पर और एनएसई पर 11.11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 190 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इस सफल लिस्टिंग के साथ कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,417.68 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के 926 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी, और यह बोली के अंतिम दिन 9.50 गुना अभिदान प्राप्त करने में सफल रहा था। आईपीओ के लिए 162-171 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

पराग मिल्क फूड्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

पराग मिल्क फूड्स का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मुनाफा 23.31 प्रतिशत बढ़कर 40.14 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 32.55 करोड़ रुपये था। पराग मिल्क फूड्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 945.34 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 918.25 करोड़ रुपये थी। खर्च भी 898.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 924.06 करोड़ रुपये हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 152.39 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 के 132.59 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के 'न्यू एज बिजनेस' खंड में प्रीमियम दूध ब्रांड 'प्राइड ऑफ काउज' और प्रोटीन पोषण ब्रांड 'अवतार' शामिल हैं। इन्होंने 2025-26 की चौथी तिमाही में 100 करोड़ रुपये के तिमाही राजस्व का आंकड़ा पार किया और सालाना आधार पर 109 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता 2027 में लागू होने की संभावना

ईयू राजदूत ने व्यापार सुगमता पर दिया जोर

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 2027 तक लागू हो सकता है। ईयू के भारत में राजदूत हरवे डेल्फिन ने बताया कि समझौते के मसौदे की कानूनी समीक्षा फिलहाल अंतिम चरण में है, जिसके बाद इसके सुचारु रूप से आगे बढ़ने की उम्मीद है। ब्रसेल्स में इस समझौते को मिले व्यापक राजनीतिक समर्थन के मद्देनजर 2027 तक इसके क्रियान्वयन की संभावना प्रबल है। फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए डेल्फिन ने कहा कि दोनों पक्ष मसौदे को उचित कानूनी शक्ल देने के लिए समीक्षा कर रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने इस प्रक्रिया के जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। राजदूत ने समझौते के सुचारु और सद्भावनापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आगाह किया कि सीमा शुल्क प्रक्रियाएं या अनुपालन आवश्यकताएं व्यापार में अनावश्यक बाधा न बनें, अन्यथा तरजीही शुल्कों के लाभ से कहीं अधिक अनुपालन की लागत हो जाएगी। उनका मानना था कि दोनों पक्षों को व्यापार को अधिक आसान बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। डेल्फिन ने भारत में चल रहे गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) प्रणाली में सुधारों का स्वागत किया और इस क्षेत्र में आगे कार्रवाई की उम्मीद जताई। हालांकि, उन्होंने एफटीए मसौदे में गैर-सेवा क्षेत्रों में निवेश उदारीकरण से संबंधित प्रावधान की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि एफटीए लागू होने के दो साल बाद समीक्षा खंड के तहत इस मुद्दे पर फिर से विचार किया जाएगा। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने नियामक बाधाओं से निपटने के लिए एफटीए में शामिल 'त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र' का उल्लेख किया। उन्होंने 'वीआईपी तंत्र' का जिक्र किया, जिसके तहत यदि कोई मुद्दा वार्ताकारों के स्तर पर हल नहीं होता है, तो वह बहुत कम समय में सीधे मंत्री स्तर पर पहुंच जाता है। जैन ने 'गैर-उल्लंघन तंत्र' को भी नवोन्मेषी बताया, जो यह सुनिश्चित करता है कि समझौते के दायित्वों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उल्लंघन न हो। इन तंत्रों का उद्देश्य व्यापार को सुगम बनाना और किसी भी गतिरोध को तेजी से हल करना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 516 अंक, निफ्टी 150 अंक गिरा

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों नीचे आकर 77,328.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150.50 अंक फिसलकर 24,176.15 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स नीच आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। विभिन्न क्षेत्रों की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.29 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही।

इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नीचे आये। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 473 लाख करोड़ रुपए हो रहा।

प्लैटिनम 1000 रुपए महंगा होकर 62,910 रुपए प्रति 10 ग्राम

सोने की कीमतें ग्राहकों को किफायती विकल्प तलाशने पर मजबूर कर रहीं

मुंबई। देश के ज्वैलरी बाजार में ग्राहकों का मिजाज बदल रहा है। शुक्रवार को प्लैटिनम 1000 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 62,910 रुपए पर पहुंच गया। वहीं सोने की बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों को किफायती विकल्पों की ओर मोड़ा है। प्लैटिनम का यह भाव देश के प्रमुख शहरों जैसे मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद में समान 62,910 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। युवाओं को इसका सरल और क्लासी लुक काफी पसंद आ रहा है, जिससे प्लैटिनम की ओर उनका रुझान बढ़ा है। दूसरी ओर, सोने की कीमतें इतनी बढ़ी है कि 10 ग्राम सोना 1.5 लाख रुपये के करीब है। अब ग्राहक सीधे 22-24 कैरेट के बजाय 18, 14 व 9 कैरेट सोने की ज्वैलरी पसंद कर रहे हैं, जिनकी कम कीमत और मॉडर्न डिजाइन उन्हें आकर्षक लग रहे हैं। ज्वैलर्स ने भी इस नई पसंद को समझते हुए हल्के वजन वाली, ट्रेंडी और बजट फ्रेंडली डिजाइन बाजार में उतारे हैं, जिससे कम बजट वाले ग्राहक भी आसानी से फैशनेबल ज्वैलरी खरीद पा रहे हैं। इस बदलते ट्रेंड से ज्वैलरी बाजार में नए और विविध विकल्प सामने आ रहे हैं।

देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज

आईएमएफ की भारत को सलाह, आम आदमी पर बढ़ सकता है बोझ

नई दिल्ली।

विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आगामी दिनों में ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ा रहे हैं। हालांकि सरकार अब तक कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करती रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) चाहता है कि इस बढ़े हुए बोझ को उपभोक्ताओं पर डाला जाए। ईरान संकट से पहले लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल रहने वाला कच्चा तेल अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है और एक समय यह 126 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंच गया था। इस तेजी का सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ रहा है, जो खुदरा कीमतों को स्थिर रखने के लिए बढ़ी हुई लागत का बोझ स्वयं उठा रही हैं, जिससे उन पर वित्तीय दबाव बढ़ता जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में कीमतों में बदलाव का सिलसिला पहले ही शुरू हो चुका है, जैसे हाल ही में 19 किलो वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 993 रुपए की बढ़ोतरी। इसी बीच, आईएमएफ ने भारत से अपील की है कि ईंधन की कीमतों को वैश्विक बाजार के अनुसार तय होने दिया जाए। संस्था का मानना है कि कृत्रिम मूल्य नियंत्रण लंबे समय तक संभव नहीं है और बाजार आधारित प्रणाली से मांग-आपूर्ति में संतुलन तथा ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

जन सुरक्षा योजनाओं का बीमा कवर 5 लाख करने पर सरकार कर रही विचार

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के तहत करोड़ों लाभार्थियों को मिलेगा अधिक सुरक्षा कवच

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के करोड़ों लाभार्थियों के लिए एक बड़ी खबर है। सरकार इन दोनों महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत बीमा कवर को वर्तमान 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी, जिससे लाखों लोगों को अधिक सुरक्षा कवच मिलने की उम्मीद जगी है।

उन्होंने बताया कि वित्त मंत्रालय प्रीमियम की लागत, पॉलिसी खरीदने की सामर्थ्य और मध्यस्थता व्यय सहित विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह सिर्फ विचाराधीन स्तर पर है और स्वीकृति के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने इस स्तर पर किसी भी अटकल से बचने को कहा, लेकिन पुष्टि की कि कवरेज राशि बढ़ाने पर विचार जारी है। ये योजनाएं 2015 में जन सुरक्षा कार्यक्रम के तहत वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से शुरू की गई थीं, जिनका लक्ष्य कम लागत पर सस्ती बीमा सेवा प्रदान करना है। ये सीधे बचत खातों से जुड़ी हैं और ऑटो-डेबिट व्यवस्था के तहत हर साल इनका नवीनीकरण होता है। वर्तमान में पीएमजेजेबीवाई 18 से 50 वर्ष की आयु के लोगों को 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर किसी भी कारण से मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर

प्रदान करती है। वहीं पीएमएसबीवाई 18 से 70 वर्ष के लोगों को 20 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये का बीमा कवर देती है। इन योजनाओं को जन धन खातों और ग्रामीण बैंकिंग नेटवर्क के माध्यम से व्यापक सफलता मिली है। पीएमजेजेबीवाई में अब तक 27.43 करोड़ और पीएमएसबीवाई में 58 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं, जो इनकी व्यापक पहुंच को दर्शाता है। अटल पेंशन योजना के भी 9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। सरकार का यह कदम इन योजनाओं को और अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

एनएसओ ने 2022-23 को बनाया जीएसवीए का नया आधार वर्ष

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) के संकलन के लिए नए समान दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है। इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य राज्य-स्तरीय आर्थिक अनुमानों को अधिक सटीक, तुलना योग्य और देश की वर्तमान आर्थिक संरचना के साथ बेहतर ढंग से तालमेल बिठाना है। वर्तमान में, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव को छोड़कर, अधिकांश राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जीएसडीपी अनुमानों के लिए 2011-12 के आधार वर्ष का उपयोग कर रहे हैं। नई श्रृंखला के साथ, सांख्यिकी मंत्रालय अब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करने का प्रयास कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय खातों के आंकड़ों में पूर्ण राष्ट्रीय कवरेज और एकरूपता सुनिश्चित हो सके। नए दिशानिर्देशों में कई क्षेत्रों में सिंगल डिफ्लेशन मेथड को छोड़ दिया गया है। इसके स्थान पर स्थिर मूल्य अनुमानों के लिए पुनर्मूल्यांकन, डबल डिफ्लेशन और वॉल्यूम एक्सट्रापोलेशन जैसी अधिक परिष्कृत विधियों की सिफारिश की गई है। इस बदलाव से इनपुट और आउटपुट की कीमतों में अंतर से होने वाली खामियों को कम करके वास्तविक उत्पादन के मापन में उल्लेखनीय सुधार होगा। कृषि, खनन, विनिर्माण, निर्माण, बिजली, परिवहन और वित्तीय सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी मानकीकरण किया गया है।

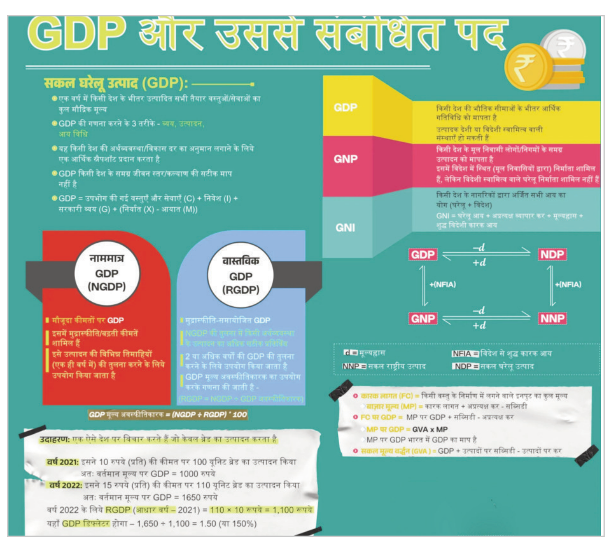

जीएसवीए किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर आर्थिक गतिविधियों को मापने का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के निर्धारण में अहम भूमिका निभाता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.41 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 45 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल होने से भी घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई करते हुए 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

पश्चिम एशिया संकट से निपटने एसबीआई बांटेगा 80000 करोड़ तक का लोन

कारोबारों को 2.55 लाख करोड़ की ईसीएलजीएस 5.0 की मंजूरी मिली

मुंबई।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रहे भारतीय कारोबारों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 2.55 लाख करोड़ रुपये की कुल परिव्यय वाली इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस 5.0) को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस योजना को लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है और अपने ग्राहकों को 80,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल लोन देने की रूपरेखा तैयार की है।एसबीआई चेयरमैन सी.एस. शेट्टी के अनुसार बैंक के पास पात्र ग्राहकों का डेटाबेस पहले से मौजूद है और गाइडलाइंस जारी होते ही यह ऋण सुविधा उपलब्ध होगी। पूरे बैंकिंग सिस्टम में 1.1 करोड़ से अधिक लाभार्थी इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं।

योजना के तहत सभी एमएसएमई पात्र हैं, जबकि संकट से प्रभावित गैर-एमएसएमई को भी इसका लाभ मिलेगा। एविएशन सेक्टर के लिए विशेष रूप से 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसकी चुकौती अवधि 7 साल तय की गई है। अन्य सामान्य व्यवसायों के लिए लोन चुकाने की अवधि 4 से बढ़ाकर 5 साल की गई है। बिजली, टेलीकॉम और शैक्षणिक संस्थान जैसे कुछ गैर-एमएसएमई क्षेत्रों को योजना से बाहर रखा गया है। यह योजना जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से लागू की जाएगी। पिछले ईसीएलजीएस संस्करणों का ट्रैक रिकॉर्ड सकारात्मक रहा था, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वर्तमान पहल मौजूदा भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच भारतीय कारोबारों और एमएसएमई सेक्टर को मजबूत तरलता प्रदान कर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के झटकों से बचाने में एक अहम भूमिका निभाएगी।

पीएफ ट्रस्ट के नियम बदले- ब्याज पर लगाम, ऑडिट अब रिस्क-आधारित

छूट प्राप्त कंपनियों पर बढ़ेगी निगरानी, एमएंडए में भी जारी रहेगी पीएफ सुविधा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने निजी पीएफ ट्रस्ट (छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट) संचालित करने वाली कंपनियों के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा अनुमोदित इन नए प्रावधानों का उद्देश्य निगरानी को अधिक प्रभावी बनाना और कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित रखना है। नए नियमों के अनुसार, अब कोई भी छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट ईपीएफओ द्वारा घोषित वार्षिक ब्याज दर से 2 प्रतिशत से अधिक ब्याज नहीं दे सकेगा। यह कदम अत्यधिक रिटर्न देकर वित्तीय संतुलन बिगड़ने से रोकने और वित्तीय समझदारी बनाए रखने के लिए उठाया गया है। कंपनियों के लिए सालाना अनिवार्य ऑडिट की जगह अब रिस्क-आधारित निगरानी प्रणाली लागू होगी। इसका मतलब है कि केवल उन्हीं ट्रस्टों की जांच की जाएगी जिनमें नियमों के उल्लंघन या वित्तीय जोखिम की आशंका होगी, जिससे नियमों का पालन करने वाली कंपनियों को बार-बार के ऑडिट से राहत मिलेगी। विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) से जुड़े मामलों में,

किसी कंपनी के बिकने या विलय होने पर उसका ईपीएफओ के तहत मिला 'एग्जेम्पशन स्टेटस' स्वतः समाप्त नहीं होगा, जिससे कारोबार में स्थिरता बनी रहेगी। यदि कोई ट्रस्ट बंद होता है, तो उसे सार्वजनिक नोटिस जारी करना होगा और सभी निष्क्रिय या बिना केवाईसी वाले खातों को ईपीएफओ में ट्रांसफर करना अनिवार्य होगा।

सरकार का कहना है कि इन बदलावों से पारदर्शिता बढ़ेगी, कारोबार सुगम होगा और कर्मचारियों के हित अधिक सुरक्षित होंगे।

तेजी से बढ़ रहा भारतीय रक्षा क्षेत्र, अप्रैल में मिली कई ऐतिहासिक उपलब्धियां

रक्षा बजट का पूरा इस्तेमाल और रिकॉर्ड निर्यात से सेक्टर में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारतीय रक्षा क्षेत्र अभूतपूर्व तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल 2026 में देश ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें तीसरी परमाणु ताकत से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिधमन का बेड़े में शामिल होना और लंबी दूरी के स्वदेशी ड्रोन प्लेटफॉर्म प्रोजेक्ट केएएल का अनावरण प्रमुख हैं। बढ़ते रक्षा बजट तेज खरीद और रिकॉर्ड निर्यात ने इस सेक्टर के लिए मजबूत ग्रोथ की नींव रखी है। ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचएएल और सोलर इंडस्ट्रीज को पसंदीदा शेयर बताते हुए कहा है कि भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए माहौल काफी मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.86 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत रक्षा बजट का पूरा उपयोग किया गया, साथ ही एमआरएसएएम मिसाइल सिस्टम की दो रेजिमेंटों की खरीद को भी मंजूरी मिली। देश का रक्षा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 63 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 3.84 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें निजी कंपनियों का योगदान भी तेजी से बढ़कर 45 फीसदी हो गया है। प्रमुख रक्षा कंपनियों को भी बड़े ऑर्डर मिले हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को 570 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले, जबकि सोलर इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी ने भारतीय सेना को 60 किलोमीटर तक मार करने वाला पिनाका मार्क-1 सिस्टम सौंपा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने ध्रुव मार्क-3 हेलिकॉप्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है और अमेरिकी कंपनी जीई पर तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के इंजन की आपूर्ति में देरी के लिए जुर्माना भी लगाया। एचएएल को रूस से 13,500 करोड़ रुपये के सुखोई-30 विमान के 12 किट भी मिले हैं। शिपबिल्डिंग क्षेत्र में भी तेजी दिख रही है, मझगांव डॉक ने चौथे फास्ट पेट्रोल वेसल का काम शुरू किया और श्रीलंका की कोलंबो डॉकयार्ड में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। कोचीन शिपयार्ड और गोवा शिपयार्ड ने भी नौसेना के लिए महत्वपूर्ण युद्धपोत और ऑफशोर पेट्रोल वेसल डिलीवर किए। ड्रोन और हथियार निर्माण में भी भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। होवर आईटी उत्तर प्रदेश में दिव्यास्त्र एमके2 ड्रोन बनाने का प्लांट लगा रही है, जबकि इनसइडएफपीवी ड्रोन ने रक्षा मंत्रालय को 100 करोड़ रुपये के ड्रोन भेजे।

पीएम सलाहकार परिषद ने सामाजिक समानता पर केंद्रित पीएसएल ढांचे की सिफारिश की

छोटे किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों को मिले प्राथमिकता; बैंकों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने भारत के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) ढांचे में एक बड़े बदलाव की वकालत की है। परिषद ने सिफारिश की है कि बैंकों के अनिवार्य ऋण लक्ष्यों में आर्थिक लाभ के बजाय सामाजिक समानता पर जोर दिया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक वित्तीय पहुंच सुनिश्चित हो सके। ईएसी-पीएम ने तर्क दिया है कि पीएसएल को समय के साथ विस्तारित व्यापक क्षेत्रीय वर्गीकरणों को बनाए रखने के बजाय मुख्य रूप से लघु व सीमांत किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों के लिए ऋण पहुंच में सुधार पर केंद्रित होना चाहिए। परिषद ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पीएसएल का ध्यान आर्थिक समानता से हटाकर सामाजिक समानता की ओर ले जाना चाहिए, जिसमें अपने मूल लक्ष्यों - छोटे और सीमांत किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों को ऋण उपलब्ध कराने पर फिर से जोर दिया जाए। अप्रासंगिक हो चुके पुराने प्रावधानों को हटाया जा सकता है, और लक्ष्यों को तदनुसार समायोजित किया जा सकता है। परिषद ने सुझाव दिया है कि लघु एवं सीमांत किसानों और कमजोर वर्गों के लिए उप-लक्ष्य जारी रखने चाहिए, जबकि समग्र कृषि ऋण जैसे व्यापक लक्ष्यों पर पुनर्विचार किया जा सकता है। मौजूदा कृषि वर्गीकरण में बड़े और कॉरपोरेट कृषि इकाइयों को दिए जाने वाले ऋण भी शामिल हैं, जिस पर परिषद ने चिंता जताई। इसी प्रकार, सूक्ष्म उद्यमों के लिए समर्थन बनाए रखते हुए अन्य उद्यम श्रेणियों को शामिल करने की समीक्षा करने की सिफारिश की गई है। परिषद का मानना है कि अनिवार्य श्रेणियों की संख्या कम करने से बैंकों को वित्तीय समावेशन के सामाजिक उद्देश्य को बनाए रखते हुए ऋण देने में अधिक लचीलापन मिल सकता है। वर्तमान में, भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों के तहत बैंकों को अपने समायोजित शुद्ध बैंक ऋण का 40 प्रतिशत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आवंटित करना अनिवार्य है।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'बंगाली अस्मिता' और 'हिंदू पहचान' के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक सुरक्षा' स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान 'जय श्रीराम' जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल 'हिंदी बनाम बंगाली' के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को 'हिंदू पुनर्जागरण' कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरूआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

संपादकीय

हिंसा अस्वीकार्य

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगु?वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरूआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे।

चिंतन-मनन

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

क्या राज्यपाल संवैधानिक मयार्दा से ऊपर हैं?

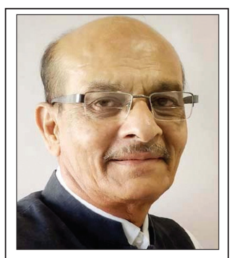

सनत जैन

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।

वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग न्यायालयों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की भी अनदेखी करने लगें, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता; वह संवैधानिक मयार्दा, संस्थागत निष्पक्षता और स्थापित परंपराओं के सम्मान पर टिकता है। यदि निर्वाचित सरकारों के गठन में भी व्यक्तिगत विवेक या राजनीतिक झुकाव हावी होने लगे, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरे का संकेत होगा। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना होगा कि राज्यपाल का विवेक सीमित है और वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के जनादेश की होती है। उस जनादेश का सम्मान करना ही संविधान की वास्तविक आत्मा है।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?

इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों? दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा?

भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दशार्ता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है।

राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मयार्दा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है?

साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया। उस घटना में हिंसा हुई, कई लोग घायल हुए और पूरे विश्व ने अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संकट में देखा। इतना ही नहीं, ट्रंप लगातार अमेरिकी चुनाव प्रणाली, न्याय व्यवस्था और मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में भारतीय नेताओं द्वारा अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र का प्रमाण पत्र बांटने वाला देश मान लेना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है। भारत में चुनाव करोड़ों मतदाताओं की भागीदारी से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और सत्ता परिवर्तन भी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होता है। इसलिए विदेशी नेताओं से शिकायत करने से पहले विपक्ष को यह भी देखना चाहिए कि जिन देशों की ओर वह उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है, वहां स्वयं लोकतंत्र कितनी चुनौतियों से गुजर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में सेना की वापसी, तारिक रहमान सरकार ने लिया कानून-व्यवस्था पर बड़ा फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद अब काफी शांति है। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब काफी तेजी से सामान्य हो रही है। इसी बीच सरकार ने मैदानी इलाकों में तैनात जवानों को वापस बुलाने का अहम फैसला लिया है। जल्द ही सभी सेना के जवानों को वापस उनकी बैरकों में सुरक्षित भेज दिया जाएगा। यह अहम फैसला मंगलवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूरे देश की वर्तमान स्थिति की बहुत ही गहनता से समीक्षा की गई। इसके बाद ही सेना को वापस बैरक में भेजने की इस पूरी योजना पर मुहर लगाई गई। अब इस फैसले के तहत छह जून से सेना की वापसी कई चरणों में होगी। सरकार की योजना के अनुसार सबसे पहले दूरदराज के जिलों से सैनिकों को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से सभी डिविजनल शहरों और बड़े जिलों से सेना को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जून महीने के भीतर मैदान में तैनात सभी जवानों को वापस बुला लिया जाए। बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हिंसक हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया था। इस दौरान पूरे देश में बहुत ज्यादा राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी जिससे हालात बेहद खराब हो गए थे। पुलिस बल की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर थी इसलिए सेना ने कमान संभाली थी। देश में हुए इन बड़े राजनीतिक बदलावों और पुलिसबल की कमजोर स्थिति के कारण सेना को मोर्चे पर डटना पड़ा। जवानों को मजबूरी में काफी लंबे समय तक मैदान में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ करनी पड़ी थी। अब हालात काबू में होने पर प्रशासन ने इस जिम्मेदारी को वापस पुलिस को सौंपने का मन बना लिया है। तारिक रहमान सरकार के इस बड़े फैसले से आम जनता में भी अब सुरक्षा को लेकर भारी विश्वास जगा है। सेना की वापसी इस बात का बहुत बड़ा और स्पष्ट संकेत है कि देश में अब सब कुछ सामान्य हो गया है। प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि अब पुलिस भी बिना सेना के कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से सक्षम है।

चेम्मनी में सामूहिक कब्र से 250 कंकाल बरामद होने के बाद उठे सवाल, क्या है मौत का सच?

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में जाफना के पास चेम्मनी इलाके में एक कथित सामूहिक कब्र से लगातार नर कंकाल बाहर निकल रहे हैं। इस कब्रगाह की खुदाई के तीसरे चरण में अब तक 249 कंकालों को बाहर निकाला जा चुका है। एक मानवाधिकार मामलों के वकील ने इस बात की पूरी जानकारी मीडिया और अधिकारियों को विस्तार से दी है। श्रीलंका की एक अदालत ने पिछले हफ्ते चेम्मनी में इस सामूहिक कब्रगाह की खुदाई को फिर से शुरू करने का कड़ा आदेश दिया था। पैसों की भारी कमी के कारण इस कब्र की खुदाई का काम लगभग सात महीने पहले पूरी तरह से रोक दिया गया था। अब इस सख्त न्यायिक आदेश के बाद खुदाई का काम फिर से काफी तेज हो गया है। मानवाधिकार वकील रनीथा ज्ञानराजा के अनुसार मंगलवार तक इस तीसरे चरण की खुदाई में 9 और नए कंकाल बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खुदाई के दौरान कुछ पुराने सिक्के और एक आभूषण जैसा दिखने वाला टुकड़ा भी जमीन से मिला है। इससे पहले दूसरे चरण की खुदाई भी काफी लंबे समय तक चली थी जिसमें बड़ी संख्या में मानव कंकाल बरामद हुए थे। दूसरे चरण की यह महत्वपूर्ण खुदाई 45 दिनों तक लगातार चली थी।

'ईरान पर हम हर स्थिति के लिए तैयार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले- ट्रंप से रोज हो रही बात

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान को लेकर अमेरिका की कूटनीतिक पहल से इस्राइल हैरान रह गया। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगभग रोजाना बातचीत हो रही है और दोनों देशों के बीच हर स्तर पर पूरा समन्वय बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं लगभग हर दिन राष्ट्रपति ट्रंप से बात करता हूं। हमारी और उनकी टीम भी रोज बातचीत करती है। उन्होंने बताया कि देर रात ट्रंप के साथ उनकी फिर बातचीत तय है। इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर उनका देश हर स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य ईरान के संवर्धित परमाणु सामग्री कार्यक्रम को समाप्त करना है। इस्राइली अधिकारियों ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की संभावना का भी समर्थन किया है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा : अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने 3 लाख हस्ताक्षर जुटाए

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है।

अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है। अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है।

सर्वे में 30% लोग ही अलग देश के पक्ष में : अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं।

कनाडा से अलग क्यों होना चाहता है अल्बर्टा : कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है। उन्हें शिकायत है कि टैक्स का पैसा ओटावा जाकर खर्च होता है, जबकि फैसले लेते समय उनकी आवाज कम सुनी जाती है। दूसरा बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार से टकराव है। ओटावा में बैठी सरकार के फैसलों को लेकर अल्बर्टा में नाराजगी रहती है। खासकर पर्यावरण और जलवायु से जुड़े नियमों को लेकर। यहां के लोग मानते हैं कि ये नियम उनके तेल और गैस उद्योग को नुकसान पहुंचाते हैं और बिना समझे बनाए जाते हैं। तीसरा कारण पहचान और राजनीति है। अल्बर्टा को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग माना जाता है। यहां की राजनीति ज्यादा कंजर्वेटिव (रूढ़िवादी) है, जबकि केंद्र में लंबे समय से लिबरल विचारधारा हावी रही है। इसके अलावा यहां यह भी भावना है कि केंद्र सरकार उनके संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण रखती है। पाइपलाइन, ऊर्जा परियोजनाएं और निर्यात जैसे मुद्दों पर कई बार फैसले अटकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता है।

ट्रम्प सरकार पर अलगाववादियों को बढ़ावा देने का आरोप : इसी बीच ट्रम्प सरकार पर अलग देश की मांग कर रहे लोगों को बढ़ावा देने का आरोप है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारी अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिलते हैं और उनकी मदद करते हैं। इन खबरों से कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी नाराज हो गए थे। उन्होंने इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा था। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी सरकार कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं। कुछ अलगाववादी अल्बर्टा को स्वतंत्र देश बनाने की बजाय अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं। फरवरी में कैलगरी और एडमॉन्टन के बीच हाईवे पर एक बिलबोर्ड भी लगा, जिसमें अल्बर्टा को US में मिलाने की अपील की गई थी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बैसेंट ने भी हाल में कहा था कि अल्बर्टा अमेरिका का नेचुरल पार्टनर है और वहां के लोग बहुत स्वतंत्र सोच वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अल्बर्टा के पास प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है।

पोप मुझसे खुश हों या नहीं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं रहेंगे: ट्रंप

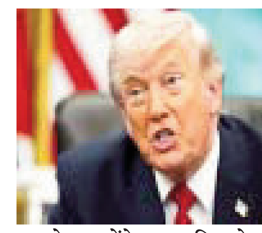

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पोप लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल युद्ध पर गहरी चिंता जताते हुए पोप लियो ने इसे पूरी मानवता पर एक कलंक बताया था और तत्काल युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके इस बयान के बाद से वह ट्रंप की नजर में चढ़ गए। ट्रंप ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पोप तेहरान द्वारा परमाणु हथियार रखने की क्षमता का समर्थन कर रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। इससे पहले मंगलवार को पोप लियो ने कहा था कि उन्होंने कभी परमाणु हथियारों का समर्थन नहीं किया और जो लोग उनकी आलोचना करते हैं उन्हें सच बोलना चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति के उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें उन पर ईरान युद्ध पर अपने रुख से बहुत सारे कैथोलिकों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि विदेश सचिव मार्को रुबियो पोप से कल मिलने वाले हैं। ऐसे में आप उन तक कौन सा संदेश पहुंचाने की उम्मीद रखते हैं। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर रुख स्पष्ट है। मैं पोप को खुश करूं या न करूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि पोप के बयानों से प्रतीत हुआ कि वह कह रहे थे कि ईरान परमाणु हथियार रख सकते हैं और मैं कहता हूं कि वे नहीं रख सकते। ट्रंप ने कहा कि पोप की संतुष्टि या असंतोष उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से वैश्विक स्थिरता को खतरा होगा। अगर ऐसा हुआ, तो पूरी दुनिया बंधक बन जाएगी, और हम इसे होने नहीं देंगे। मेरा केवल यही संदेश है। दरअसल मार्च में सेंट पीटर्स स्क्वायर में साप्ताहिक एंजेल्स प्रार्थना के दौरान पोप ने कहा था कि हम इतने लोगों के दुख के सामने खामोश नहीं रह सकते, खासकर उन बेबस लोगों के लिए, जो इन संघर्षों के शिकार हुए हैं। उनका दर्द पूरी मानवता का दर्द है। पोप लियो ने कहा कि दुनिया को सिर्फ चिंता जताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। अप्रैल में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान युद्ध पर पोप की आलोचनाओं के जवाब में पोप को अपराध के मामले में कमजोर और विदेश नीति में बेहद खराब बताया था।

अधिकार सुरक्षित रहे तो ईरान युद्ध खत्म करने को तैयार : राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि उनका देश अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ते अपनाने को तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के अधिकारों की सुरक्षा पर भी जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति के दफ्तर की वेबसाइट के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बुधवार (लोकल टाइम) को फोन पर बातचीत के दौरान पेजेश्कियन ने अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं दिखाया। उन्होंने हाल की दुश्मनी भरी कार्रवाइयों का जिक्र किया, जिसमें द्विपक्षीय बातचीत के दौरान ईरान पर दो हमले भी शामिल हैं। ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका की ओर से की गई इस कार्रवाई को ईरान की पीठ में छुरा घोंपना बताया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह फोन पर बातचीत तब हुई, जब एक्सियोस ने रिपोर्ट दी कि अमेरिका और ईरान लड़ाई खत्म करने के लिए एक पेज के मेमो पर काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि एक संभावित डील में ईरान न्यूक्लियर संवर्धन पर रोक लगाने का वादा करेगा और अमेरिकी प्रतिबंध हटाने पर सहमत होगा। डील के तहत दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट से ट्रांजिट पर लगी रोक हटा देंगे। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 40 दिनों की लड़ाई के बाद 8 अप्रैल को दो हफ्ते के लिए सीजफायर हुआ था। यह लड़ाई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुई थी। सीजफायर के बाद, ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ता की, लेकिन इस बातचीत का कोई हल नहीं निकला था। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने लड़ाई खत्म करने के लिए कई प्रस्तावित प्लान शेयर किए हैं, जिनमें से सबसे नए प्लान का ईरान अभी समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, ईरान ने कहा कि उसने अमेरिका के साथ कोई नया लिखित संदेश एक्सचेंज नहीं किया है। अर्ध सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने हाल की मीडिया रिपोर्ट्स को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उन्हें जमीनी हालात दिखाने के बजाय ग्लोबल मार्केट पर असर डालने और तेल की कीमतें कम करने के लिए डिजाइन किया गया था।

अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत; जासूसी कानून का मामला खारिज

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालती आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार की गई और मामला बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज किया गया। अमेरिका के वर्जीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनॉफ ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने गलत कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे।

क्या है मामला : टेलिस अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज अपने निजी घर में रखे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक टेलिस ने अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा तंत्र से जुड़े वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए कई संवेदनशील दस्तावेज अपने पास रखे। सरकार की ओर से दायर आरोपपत्र में कहा गया था कि टेलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 11 गोपनीय फाइलें अपने निजी निवास पर हार्ड कॉपी और डिजिटल फॉर्म में रखीं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी उच्चस्तरीय पहुंच का फायदा उठाकर सुरक्षित सरकारी कार्यस्थलों से राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी बाहर निकाली और उसे निजी तौर पर संग्रहीत किया। हालांकि टेलिस की कानूनी टीम ने अदालत में दलील दी कि सरकार ने जासूसी अधिनियम की गलत धारा के तहत मामला दर्ज किया। उनके वकीलों का कहना था कि जिस धारा 793(ई) के तहत उन पर आरोप लगाए गए, वह केवल उन लोगों पर लागू होता है, जिनके पास गोपनीय दस्तावेज अनधिकृत रूप से हों। जबकि सरकार खुद मान रही थी कि टेलिस के पास उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी थी और उन्हें इन दस्तावेजों तक अधिकृत पहुंच प्राप्त थी। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि टेलिस को संबंधित दस्तावेज आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे, इसलिए उन्हें अवैध कब्जा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वकीलों ने यह भी तर्क दिया कि सरकार ने उन पर गोपनीय जानकारी लीक करने या अपनी मंजूरी से बाहर जाकर दस्तावेज हासिल करने का आरोप भी नहीं लगाया। कानूनी टीम ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो जासूसी कानून की दूसरी धारा 793(एफ) या धारा 1924 के तहत मामला दर्ज कर सकता था, जो सरकारी कर्मचारियों द्वारा गोपनीय दस्तावेज हटाने और रखने से संबंधित है।

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात, स्ट्रेट को तत्काल खोलने का आग्रह

पेरिस, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है। राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। राष्ट्रपति मैक्रों और ईरानी राष्ट्रपति के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब 'एक्सियोस' की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने के लिए सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर राजी हो सकता है। साथ ही दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट आवाजाही पर लगी पाबंदियां हटाएंगे। बता दें कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद 40 दिनों तक संघर्ष चला था। युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान में शांति वार्ता का एक दौर आयोजित किया, पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, WHO बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही। पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोर डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं।

नेपाल सरकार ने भारतीय वाहनों के लिए शुरू की नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही शानदार सुविधा की शुरुआत की है। अब भारतीय वाहन आसानी से नेपाल जा सकते हैं और इस नई व्यवस्था के तहत पर्यटकों को सीमा पर घंटों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर विदेशी पर्यटकों के वाहनों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। इस महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन बुधवार 6 मई 2026 को नेपाल के वित्त मंत्री डॉ स्वर्णिम वाग्ले ने किया है। यह नई व्यवस्था पर्यटकों की यात्रा को बहुत ही आसान और सुखद बनाएगी। अब पर्यटक अपने घर बैठे ही अपने वाहनों का सारा विवरण कस्टम विभाग की वेबसाइट पर आसानी से भर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपना टैक्स भी पूरी तरह से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नेपाल सीमा पर जाम से मिलेगी राहत पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों की अस्थायी अनुमति लेने के लिए कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे यात्रियों को भारी परेशानी होती थी और सीमा क्षेत्रों में हमेशा भयंकर ट्रैफिक जाम रहता था। अब इस नई ऑनलाइन प्रणाली के लागू होने से पर्यटकों को काफी बड़ी राहत मिल गई है। अगर नेपाल यात्रा के दौरान आपके परमिट की तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो कस्टम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने होंगे। नई ऑनलाइन सेवा से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को आसानी से रिन्यू कर सकते हैं। वे बिना किसी बाधा के अपना सारा भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी जरूरी जानकारी भरनी होगी। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'अस्थायी वाहन आयात' का विकल्प चुनना होगा। सारी जानकारी सही-सही भरने के बाद पर्यटकों को एक विशेष क्यूआर कोड प्राप्त हो जाएगा।

क्यूआर कोड दिखाना अनिवार्य होगा टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या सीधे बैंक काउंटर के जरिए बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यह पूरी व्यवस्था अब डिजिटल, पारदर्शी और काफी अधिक प्रभावी बन चुकी है। वर्तमान में इस सेवा का सबसे अधिक लाभ भारत और बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों को मिलने की पूरी उम्मीद जताई गई है। भविष्य में चीन के रास्ते आने वाले वाहनों के लिए भी यह खास सुविधा शुरू की जाएगी। यह पहल नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने में मदद करेगी।

पानी के संकट से उबार सकते हैं बांज के जंगल

बांज के पेड़ों पर उगने वाली झुल नामक वनस्पति अनेक दवाओं, मसालों, प्राकृतिक रंग आदि बनाने में काम आती हैं

बांज के जंगलों में यूमस अधिक होता है जो पानी को अपने में संग्रहीत करने की क्षमता रखता हैं

जल संकट से जूझ रहे उत्तराखण्डवासियों को इस समस्या से निजात दिलाने में बांज के जंगल वरदान साबित हो रहे हैं।

वरदान सिद्ध हो रहा है यह पेड़ : एक समय था जब उत्तराखंड देश के अधिकांश हिस्सों को उत्तराखंड जल संकट से उबारता था लेकिन अब वही इस समस्या से जूझ रहा है। इस परेशानी से उबरने में बुजुगरे की दूरदृष्टि तथा अथक मेहनत काफी रंग ला रही है। बुजुगरे की वजह से वर्तमान पीढ़ी को उपहार में मिला बांज का जंगल अल्मोड़ा जिले के अनेक गांवों के लिए वरदान सिद्ध हो रहा है।

जलस्त्रेत संकट मोचक बने: समुद्र तल से लगभग छह हजार फुट की ऊंचाई पर बसे उत्तराखंड में अल्मोड़ा के ताकुला ब्लाक के ढौल गांव में बांज के जंगल से निकले जल स्त्रेतों के कारण इस गांव में पानी की कमी नहीं है बल्कि अपने से नीचे बसे गांवों तथा आसपास के क्षेत्रों के लिए भी यही जलस्त्रेत संकट मोचक बने हैं।

यहां के बुजुगरे को पहले से अनुभव था : वैज्ञानिकों ने अपने शोधों से भले ही अब सिद्ध कर दिया है कि बांज (जिसका वैज्ञानिक नाम क्वारकस है) के पेड़ की आसपास की जमीन में पानी को संग्रहीत करने की उच्च क्षमता है, लेकिन ढौल गांव के बुजुगरे को अपने अनुभव से इस बात का अनुमान बहुत पहले हो गया था जिसमें उन्होंने बांज के पेड़ों को अपने बच्चों की तरह पालना शुरू कर दिया।

इनमें अपार प्राकृतिक लाभ देने की क्षमता : लगभग आठ से 10 वर्ग किलोमीटर में फैला बांज का यह जंगल करीब 150 वर्ष पुराना है। केवल लकड़ी की कटाई और लीसा आदि पर ही नजर रखने वाली संकीर्ण दृष्टि से बांज के जंगल व्यावसायिक दृष्टि से लाभप्रद नहीं नजर आते हैं, पर इनमें अपार प्राकृतिक लाभ देने की क्षमता है। बांज के पेड़ों के तने पर उगने वाली झुल नामक वनस्पति का प्रयोग अनेक दवाओं, मसालों, प्राकृतिक रंग आदि बनाने में किया जाता है।

इसका वृक्ष छतरी की आकृति का होता है : राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ के वैज्ञानिक डॉ. डीके उप्रेती ने बताया कि बांज के जंगलों में यूमस अधिक होता है जो पानी को अपने में संग्रहीत करने की क्षमता रखता है। इसका वृक्ष छतरी की आकृति का होता है तथा इसकी पत्तियां खूब घनी व चौड़ी होने के साथ स्पंजी तथा हवा भरी होती हैं जो यूमस बनने में सहायक होती हैं। उन्होंने बताया कि यूमस की अधिकता के कारण बांज के पेड़ों से गिरने वाली पत्तियां अम्लीय न होने के कारण जल्दी गल जाती हैं जिससे आसपास की जमीन हवादार एवं सोखने के समान बन जाती हैं।

वीडियो देखने में अधिक डाटा खर्च करते हैं किशोर

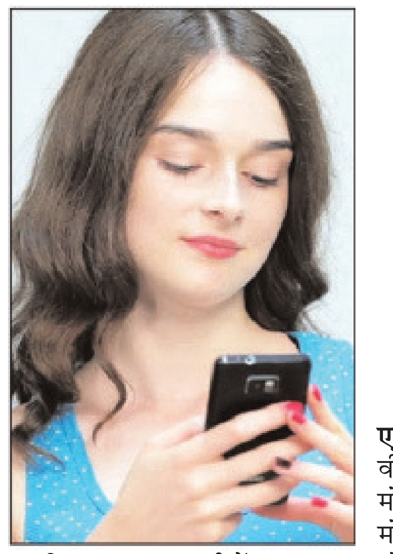

चार वर्षों में किशोरों द्वारा टीवी स्क्रीन पर वीडियो देखने में खर्च किया जाने वाला समय 50 फीसदी घटा है

वहीं इसके उलट, स्मार्टफोन पर वीडियो देखने में खर्च होने वाला समय 85 फीसद बढ़ा है

एक अध्ययन के मुताबिक, देश में स्मार्टफोन वीडियो देखने के लिए किशोर सबसे अधिक मोबाइल डाटा का उपयोग करते हैं।एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट के नवीनतम संस्करण के मुताबिक, महज 15 महीनों (2014-15) में किशोरों के बीच स्मार्टफोन वीडियो देखने के लिए सेलुलर डाटा के उपयोग में 127 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अध्ययन में कहा गया है, ''चार वर्षों (2011-15) की अवधि में किशोरों द्वारा टीवी स्क्रीन पर वीडियो देखने में खर्च किया जाने वाला समय 50 फीसद घटा है। वहीं इसके उलट, स्मार्टफोन पर वीडियो देखने में खर्च होने वाला समय 85 फीसद बढ़ा है।' इस सव्रेक्षण में यह अनुमान भी लगाया गया है कि वर्ष 2018 तक कनेक्टड डिवाइस की श्रेणी में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के मोबाइल फोन से आगे निकल जाने की संभावना है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, परस्पर गणना करने वाले उपकरणों, मैकेनिकल व डिजिटल मशीनों की एक पण्राली है जिसमें मानव से मानव के बीच अथवा मानव से कंप्यूटर के बीच संवाद के बिना एक नेटवर्क पर डाटा स्थानांतरित करने की क्षमता होती है। अध्ययन के मुताबिक, 2021 तक कनेक्टड कुल 28 अरब उपकरणों में से करीब 16 अरब आईओटी उपकरण होंगे।

क्विलिंग से करिए जेवर डिजायन

एक-दूसरे में गूंथकर या चांदी के महीन कागज से पहनने योग्य आभूषण तैयार करने की कला अब यहां पर एक नई कार्यशाला में सीखी जा सकती है। सजावटी डिजायन तैयार करने के लिए रंगीन कागज के स्ट्रिप्स का इस्तेमाल लपेटने, आकार देने के लिए ग्लू के साथ किया जाता है।अपनी 13 वर्षीय बेटी से यह कला सीखने वाली आईटी पेशेवर और लेखिका माला गुप्ता ने इंडिया हैबिटेट सेंटर में कागजेवर (पेपर जेवर) पर आज से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शुरू किया। गुप्ता ने बताया, ''मैंने अपनी बेटी से इसे एक दूसरे से लपेटना सीखा। इसका मुझ पर चिंतनशील प्रभाव पड़ा और दिनभर इस काम को करने के बाद मैंने अपने तनाव में कमी पाई।' उन्होंने बताया कि कार्यशाला से प्रतिभागियों को फिर से अपनी रचनात्मकता खोजने में मदद मिलेगी क्योंकि वे अपने कागज से जेवर तैयार करेंगे।' उन्होंने बताया, ''पिछले साल से अपनी बेटियों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन कर रही गुप्ता ने अद्वितीय डिजायनों में कागज आभूषण की एक विस्तृत श्रृंखला तैयार की है।

कैंसर के इलाज में मददगार नया प्रोटीन

एक भारतीय मूल के वैज्ञानिक समेत अनुसंधानकर्ताओं ने एक ऐसा नया प्रोटीन डिजायन किया है जो कैंसर कारक कोशिकाओं को प्रभावी ढंग से खत्म कर सकता है और अन्य कई बीमारियों में भी प्रभावी है।

प्रोएजियो नामक प्रोटीन : मानव प्रोटीन से तैयार प्रोएजियो नामक यह प्रोटीन कोशिका सतह रिसेप्टर (प्रोटीन) ''इंटीग्रिन वी 3' पर एक खास जगह को निशाना बनाता है जबकि अन्य वैज्ञानिक ऐसा नहीं कर पाए हैं। अमेरिका के ''जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी' के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि प्रोएजियो उस कोशिका को व्यवस्थित ढंग से मार देता है जिसमें ''इंटीग्रिन वी 3' होते हैं।

इंटीग्रिन युगल, वी 3, सामान्य उत्तक में उच्च स्तर पर प्रकट नहीं होता : यह इंटीग्रिन दवा विकास के केंद्र में रहा हैं क्योंकि ''वी 3' के असामान्य रूप से प्रकट होने का कई रोगों के विकास से संबंध होता है। इस अध्ययन के मुख्य लेखक और जार्जिया स्टेट में प्रोफेसर झी रेन लिउ ने कहा, ''यह इंटीग्रिन युगल, वी 3, सामान्य उत्तक में उच्च स्तर पर प्रकट नहीं होता।' उन्होंने कहा, ''ज्यादातर मामलों में यह कई रोगजनक स्थितियों से संबद्ध होता है। अतएव, यह कई रोगों के इलाज में काफी कारगर होता है।'

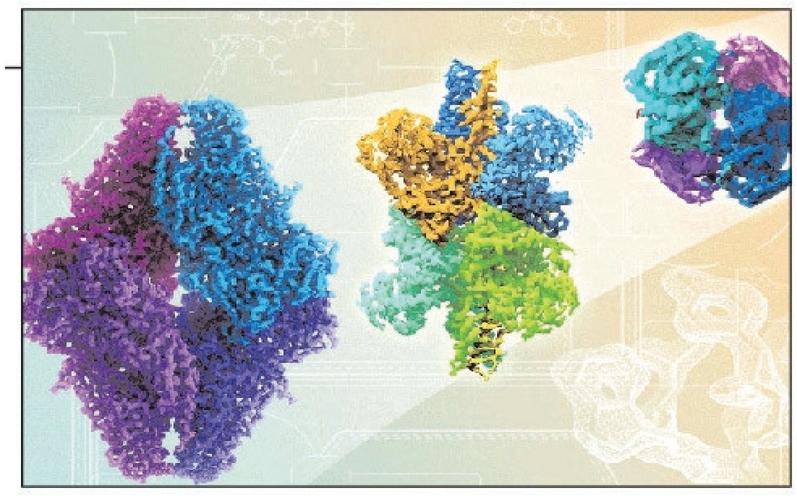

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

हंसी के फूव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

काकुरो पहेली - 4048

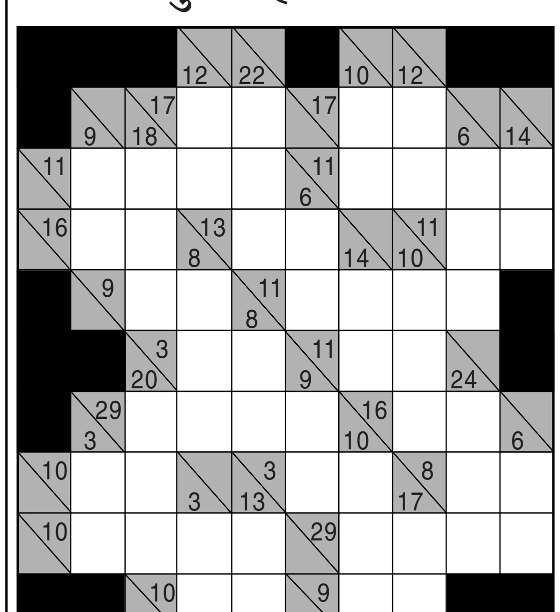

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

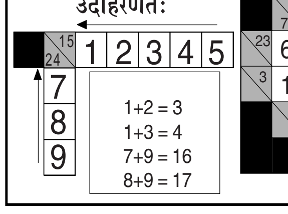

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4047 का हल

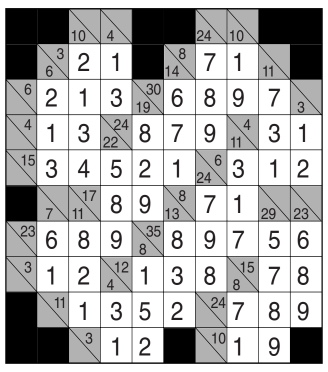

फिल्म वर्ग पहेली - 4048

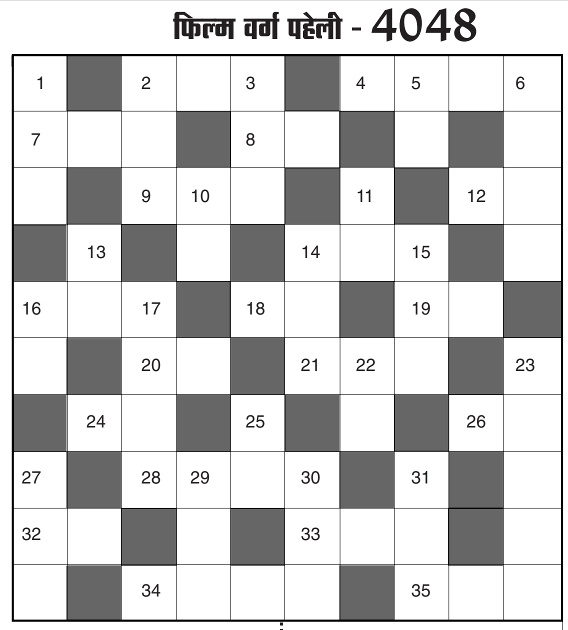

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथनु, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली 4047

सूडोकु -4048

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4046 हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -4048

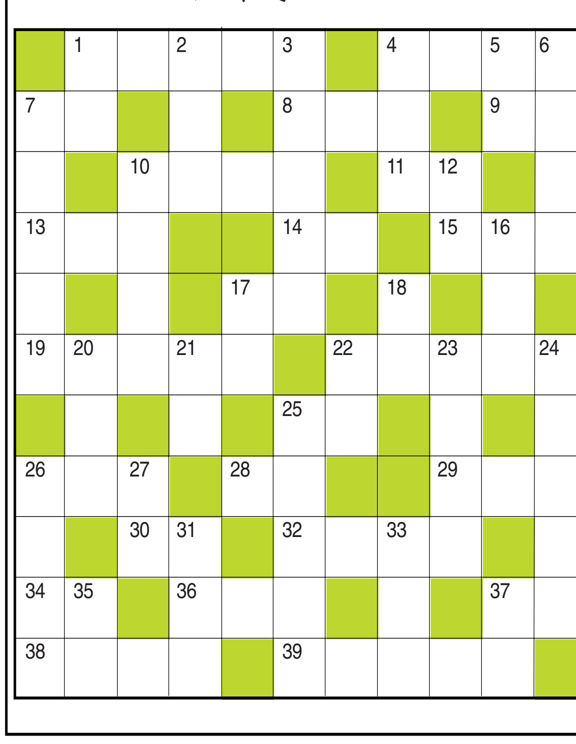

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली 4047 का हल

सबूतों के अभाव में ताड़मेटला नरसंहार के सभी आरोपित बरी

एजेंसी

रायपुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सुकमा जिले के ताड़मेटला में 2010 को हुए भीषण नक्सली हमले के सभी आरोपितों को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने बरी कर दिया है। न्यायालय ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए निचली अदालत के बरी करने के फैसले को बरकरार रखा है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का यह आदेश पांच मई को दिया गया। अदालत ने इस फैसले को आज अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक किया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने पाया कि जांच एजेंसियां आरोपितों के खिलाफ ठोस और कानूनी रूप से स्वीकार्य सबूत पेश करने में विफल रहीं। ट्रायल कोर्ट ने 2013 में ही सबूतों के अभाव में इन आरोपितों को बरी कर दिया था, जिसे अब उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है। उच्च न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में कहा कि यह बेहद दुखद है कि इतने बड़े नरसंहार और राष्ट्रीय सुरक्षा पर हमले के बावजूद, जांच एजेंसियां असली कातिलों को पकड़ने और उनके खिलाफ साक्ष्य जुटाने में नाकाम रहीं। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि, हमें यह देखकर बेहद दुख हुआ है। बड़े पैमाने पर जवान बलिदान हुए और राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े। इसके निपटारे में कोई भी कानूनी रूप से मान्य और विश्वसनीय साक्ष्य पेश नहीं किया जा सका। इसलिए निचली अदालत को उन्हें बरी करने के लिए विवश होना पड़ा।

बारिश का हवाई सेवाओं पर असर : बेंगलुरु-नागपुर विमान रायपुर की ओर डायवर्ट

नागपुर। खराब मौसम और भारी बारिश के कारण नागपुर में दृश्यता कम होने और तेज हवा के चलने से बेंगलुरु से नागपुर आ रही उड़ान को रायपुर की ओर डायवर्ट करना पड़ा। पायलट ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विमान को सुरक्षित रूप से रायपुर हवाई अड्डे पर उतारा। इंडिगो फ्लाइट 6ई 6003 बेंगलुरु से दोपहर 3:35 बजे रवाना हुई थी और इसका नागपुर में 4:07 बजे पहुंचना निर्धारित था लेकिन जब विमान नागपुर के हवाई क्षेत्र में पहुंचा, तब शहर में तेज बारिश और तूफानी हवा शुरू हो गई। पायलट ने कुछ समय तक आसमान में चक्कर लगाकर लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन रन-वे पर खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा कारणों से विमान को रायपुर एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया। इस घटना से यात्रियों में कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया।

अन्य उड़ानें भी प्रभावित

इस बारिश का असर केवल एक विमान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नागपुर से संचालित कई अन्य उड़ानों पर भी इसका प्रभाव पड़ा।

स्टार एयर (नागपुर-नांदेड़): लगभग 6 घंटे की देरी
इंडिगो (नागपुर-नवी मुंबई): 1 घंटे की देरी
इंडिगो (नागपुर-हैदराबाद): 1 घंटे की देरी
इंडिगो (नागपुर-पुणे): 50 मिनट की देरी

हमीरपुर नाव हादसा : पांच बच्चों समेत छह शव बरामद, प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने पहुंचे प्रभारी मंत्री

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम कुतुबपुर मजरा भौली में शाम यमुना नदी में हुए नाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। गुरुवार शाम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम ने लापता छठवें बच्चे का शव भी बरामद कर लिया। नाव हादसे का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य करने के निर्देश दिए थे। घटनाक्रम के अनुसार शादी समारोह में शामिल होने आए कुछ लोग शाम को तरबूज खाने के लिए नाव से नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान बीच नदी में नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई। नाव में कुल नौ लोग सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और लोग नदी में डूबने लगे। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर, क्षेत्राधिकारी सदर तथा थाना कुरारा पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी तथा स्थानीय गोताखोरों की टीम ने लगातार सर्च अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार हादसे में तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर सीएचसी कुरारा भेजा गया। वहीं सर्च अभियान के दौरान बृजरानी पत्नी पप्पू निषाद (35), अर्चना पुत्री सर्वेश (14), रानी पुत्री बच्चन (9), आकांक्षा पुत्री रामहित (9), लव्यांश पुत्र पप्पू (5) घाटमपुर कानपुर नगर निवासी गौरे उर्फ आदित्य (12) पुत्र महेश का शव बरामद किया गया।

जनगणना 2027 के लिए दिल्ली में जागरूकता अभियान तेज, छह एलईडी वैन रवाना

नई दिल्ली। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने जनगणना 2027 के पहले चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' (एचएलओ) के तहत दिल्ली में जनजागरूकता अभियान को तेज करते हुए जनगणना भवन से छह एलईडी मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गृह मंत्रालय के अनुसार ये जनगणना जागरूकता वैन दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को जनगणना में भागीदारी, स्व-गणना (एसई) सुविधा, जनगणना 2027 की मुख्य विशेषताओं तथा फील्ड विजिट के दौरान जनगणना कर्मचारियों के साथ सहयोग के महत्व के बारे में जानकारी देंगी।

नासिक धर्मांतरण मामले में मुख्य आरोपी निदा खान गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई । नासिक स्थित टीसीएस कार्यालय से जुड़े कथित धर्मांतरण और उत्पीड़न मामले की मुख्य आरोपियों में से एक निदा खान को कई दिनों तक पुलिस से बचने के बाद महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के अनुसार, निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर के नरेगांव क्षेत्र स्थित कैसर कॉलोनी के एक आवासीय अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से अपने माता-पिता, भाई और मौसी के साथ वहां रह रही थीं। पुलिस टीमें करीब दो दिनों से उस स्थान पर नजर रख रही थीं, जिसके बाद कार्रवाई की गई। यह गिरफ्तारी नासिक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी), छत्रपति संभाजीनगर पुलिस कमिश्नरेट और क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से की गई। जांच अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर खान का पता लगाया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए स्थानीय जेएमएफसी अदालत में पेश किया गया। बाद में आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें नासिक ले जाया गया। एसआईटी ने अपने बयान में पुष्टि की कि खान देवलाली कैंप पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में वांछित थीं। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी बीएनएसएस के प्रावधानों के तहत की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच जारी है और आरोपी से पूछताछ के जरिए अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई जा रही हैं। जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, निदा खान ने पहले नासिक की अदालत में अग्रिम जमानत और गिरफ्तारी से अस्थायी राहत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह दो महीने की गर्भवती हैं लेकिन अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। विवाद तब शुरू हुआ जब नासिक स्थित टीसीएस कार्यालय में कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने अपने सहकर्मी दानिश शेख के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि दानिश शेख ने पहले से विवाहित होने के बावजूद शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।पुलिस दस्तावेजों के अनुसार, निदा खान जो दानिश शेख की बहन है, ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता के धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव डाला। जांचकर्ताओं का यह भी दावा है कि खान और एक अन्य आरोपी तौसीफ अख्तर ने शिकायतकर्ता से दानिश शेख की शादीशुदा होने की जानकारी छिपाई। जांच आगे बढ़ने पर कई अन्य महिलाओं ने भी नासिक शाखा के वरिष्ठ कर्मचारियों पर उत्पीड़न के आरोप लगाए। महिलाओं का कहना है कि फरवरी 2022 से मार्च 2026 के बीच उन्हें मानसिक और यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी शिकायतों को मानव संसाधन विभाग ने नजरअंदाज कर दिया।

ऐतिहासिक भोजशाला मामले में महाधिवक्ता ने रखा सरकार का पक्ष, खारिज किए मस्जिद पक्ष के तर्क

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला विवाद मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में चल रही नियमित सुनवाई के दौरान एएसआई की रिपोर्ट बहस का केन्द्र रही। इस दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने शासन का पक्ष रखते हुए मस्जिद पक्ष के तर्कों को खारिज कर दिया। वहीं जैन पक्ष ने भोजशाला के जैन होने के दावे को दोहराया। भोजशाला मामले में मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ में हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने अपने तर्क रखे। उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट के विभिन्न अंशों का हवाला देते हुए कहा कि रिपोर्ट में कई ऐसे तथ्य और निष्कर्ष दर्ज हैं, जो यह संकेत देते हैं कि विवादित स्थल पूर्व में सरस्वती मंदिर था। यह सुनवाई हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर हुई। महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि 'धार दरबार ऐलान' को अंतिम तथ्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने इस मुद्दे पर भी विस्तार से पक्ष रखा और कहा कि मस्जिद पक्ष ने धार दरबार द्वारा वर्ष 1935 में जारी अधिसूचना को लेकर कोर्ट में अधूरी और भ्रामक जानकारी दी है। इस बिंदु को पूर्व में सीनियर एडवोकेट सलमान खुर्शीद, तौसिफ वारसी और शोभा मेनन द्वारा उठाया गया था। मस्जिद पक्ष ने कोर्ट को यह नहीं बताया कि धार दरबार ने किन परिस्थितियों में भोजशाला को मस्जिद बताया था।

पश्चिम बंगाल : इस्तीफा नहीं देने पर अड़ी रहीं ममता बनर्जी, राज्यपाल ने भंग की विधानसभा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा को भंग कर दिया। राज्यपाल ने यह निर्णय तृणमूल चीफ ममता बनर्जी के चुनाव हारने के बावजूद इस्तीफा देने से मना करने के बाद लिया। राज्यपाल आरएन रवि ने ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल को भी बर्खास्त कर दिया है। इसके लिए उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 174 (2) (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल किया है। लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद राज्य में राजनीतिक टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी, खासकर ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार करने के बाद। ममता बनर्जी 2011 से लगातार पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज थीं। वह तीन बार राज्य की मुख्यमंत्री

रह चुकी हैं। 2026 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने 293 में से 207 सीट हासिल की है, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई है। बंगाल में बहुमत का जादुई आंकड़ा छूने के लिए 148 सीट चाहिए थीं, लेकिन भाजपा ने 207 सीटों के साथ यह आंकड़ा भी पार कर लिया है। वहीं, एक सीट फाल्टा पर 21 मई को मतदान और 24 मई को नतीजे आएंगे।

इस बीच ममता बनर्जी को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। वह अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से 15 हजार से ज्यादा वोटों से हार गई हैं। हालांकि, उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया। उनका आरोप है कि चुनाव में बड़े स्तर पर धांधली की गई, जिसके चलते उनसे जनता का जनादेश छीन लिया गया। ममता ने इस्तीफा देने से इनकार करते हुए कहा कि हम हारे नहीं हैं, बल्कि हमें हराया गया है।

उपभोक्ता हित में लगातार फैसले ले रही योगी सरकार: एके शर्मा

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश भर में लगे सभी स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड मोड में संचालित करने के आदेश जारी कर दिए हैं। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि आरडीएसएस योजना के तहत लगाए गए सभी स्मार्ट मीटर तत्काल प्रभाव से पोस्टपेड प्रणाली में बदले जा रहे हैं। इसके बाद उपभोक्ताओं को बिजली इस्तेमाल करने के बाद बिल मिलेगा। मई 2026 की खपत का बिल जून 2026 में पोस्टपेड प्रणाली के तहत जारी किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आम विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में संचालित स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था को समाप्त कर सभी स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड मोड में संचालित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल और पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगमों के साथ ही केस्को कानपुर में लागू यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान करेगी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को बिल एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। स्मार्ट पोस्टपेड बिल प्रत्येक माह की 10

तारीख तक जारी किए जाएंगे। जिन क्षेत्रों में नेटवर्क अथवा संचार संबंधी समस्या के कारण स्मार्ट मीटर की ऑटोमैटिक रीडिंग प्राप्त नहीं होगी, वहां एएमआईएसपी एजेंसियों के माध्यम से मैनुअल रीडिंग लेकर समय से बिल उपलब्ध कराया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर सिस्टम में पंजीकृत नहीं हैं या गलत दर्ज हैं, उनके लिए डिस्कॉम स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही उपभोक्ता संबंधित विद्युत वितरण निगम के व्हाट्सएप चैटबॉट एवं 1912 हेल्पलाइन के माध्यम से भी अपना बिल प्राप्त कर सकेंगे। प्रदेश में अब सभी नए विद्युत संयोजन स्मार्ट पोस्टपेड मोड में ही जारी किए जाएंगे। पूर्व में प्रीपेड व्यवस्था लागू होने के दौरान समायोजित की गई सुरक्षा धनराशि को अब विद्युत प्रदाय संहिता-2005 एवं कॉस्ट डाटा बुक-2026 के प्रावधानों के अनुसार चार समान मासिक किस्तों में उपभोक्ताओं के बिलों में जोड़ा जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पोस्टपेड उपभोक्ताओं को पूर्व की भांति बिल जारी होने की तारीख से 15 दिन का भुगतान समय और उसके बाद 7 दिन की डिस्कनेक्शन अवधि प्रदान की जाएगी। निर्धारित समय तक भुगतान न होने पर विद्युत प्रदाय संहिता एवं टैरिफ आदेश के अनुसार विलंब अधिभार लागू होगा।

अहमदाबाद में हीट वेव की स्थिति के बीच 45 अत्यधिक गर्म क्षेत्रों की पहचान

एजेंसी

अहमदाबाद । अहमदाबाद में अगले एक सप्ताह के दौरान भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि शहर भर में 45 हीट हॉटस्पॉट्स (अत्यधिक गर्म क्षेत्रों) की पहचान की गई है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर की हीट रिस्पॉन्स (गर्मी से बचाव) व्यवस्था के तहत शुरू की गई क्यूआर कोड आधारित प्रणाली के माध्यम से निवासी चिन्हित हीट हॉटस्पॉट्स और क्षेत्रवार अधिकतम तापमान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस जानकारी में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक के अनुमानित तापमान शामिल होंगे, जिसे दिन का सबसे अधिक गर्म समय माना जाता है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन (एएमसी) ने नागरिकों से अत्यधिक गर्मी और डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) से बचाव के लिए सावधानी बरतने

की अपील की है। नागरिकों को बाहर यात्रा करते समय पानी की बोतल साथ रखने और नियमित रूप से पानी, नींबू पानी, छाछ और नारियल पानी जैसे तरल पदार्थ पीने की सलाह दी गई है।

एडवाइजरी में ताजे फल और सब्जियां खाने और मसालेदार भोजन, बासी खाना, अत्यधिक प्रोटीन सेवन, चाय, कॉफी और गैसयुक्त पेय पदार्थों से बचने की भी सलाह दी गई है।

निवासियों को यथासंभव दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचने, ढीले और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने तथा धूप में बाहर जाते समय छाता, टोपी या स्कार्फ का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

नगर निगम ने बाहर काम करने वाले लोगों को नियमित अंतराल पर ब्रेक लेने और ठंडी जगहों पर आराम करने की भी सलाह दी है। एएमसी ने नागरिकों से बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया है क्योंकि लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने पर ये लोग अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। नगर निगम ने लू (हीटस्ट्रोक) और गर्मी से संबंधित बीमारियों के लक्षणों की सूची भी जारी की है, जिनमें अत्यधिक पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आना, त्वचा का लाल और सूखा होना, मांसपेशियों में दर्द, मतली और उल्टी शामिल हैं। ऐसे लक्षण महसूस होने पर लोगों को तुरंत चिकित्सीय सहायता लेने की सलाह दी गई ह, जबकि आपातकालीन स्थिति में 108 एम्बुलेंस सेवा से संपर्क करने को कहा गया है।

शुभेंदु अधिकारी के सहायक चंद्रनाथ रथ को दी गई अंतिम विदाई, पैतृक गांव में हुई अंत्येष्टि

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ का गुरुवार रात को पूर्व मेदिनीपुर जिले के उनके पैतृक गांव कुलुपा में अंतिम संस्कार कर दिया गया। अंतिम संस्कार से पहले उनके पार्थिव शरीर को घर से सौ मीटर की दूरी पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। बाद में उसे घर के भीतर उनकी मां के पास ले जाया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और समर्थकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नम आंखों से विदाई दी। चंद्रनाथ रथ पहले भारतीय वायुसेना में सेवा दे चुके थे, इसलिए उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटा गया था। इस दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे। भीड़ के बीच 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए गए। इस

घटना पर शुभेंदु अधिकारी के भाई दिव्येंदु अधिकारी सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि बुधवार देररात अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर चंद्रनाथ रथ की हत्या कर दी थी। घटना के बाद शुभेंदु अधिकारी, सुकांत मजूमदार, अग्निमित्रा पॉल सहित राज्य भाजपा के कई वरिष्ठ नेता अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा समर्थकों ने आरोप लगाया है कि इस घटना के पीछे तृणमूल समर्थित बदमाशों का हाथ है। इस मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने विशेष जांच दल का गठन किया है। ही पुलिस ने तीन संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

ममता बनर्जी ने नहीं बदली सोशल मीडिया प्रोफाइल, 'मुख्यमंत्री' का टैग अभी तक बरकरार

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में 17वीं विधानसभा भंग होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल नहीं बदली है। वे आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की 'पूर्व मुख्यमंत्री' बन चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्रोफाइल में अभी भी 'मुख्यमंत्री' का टैग बरकरार रखा है। ममता बनर्जी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और 'एक्स' पर अभी भी 'माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल' का इस्तेमाल कर रही हैं। हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार किया था, जिसे वे सोशल मीडिया पर बरकरार रखे हुए हैं। इससे पहले, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने 17वीं विधानसभा को भंग कर दिया। 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को पूरा हो चुका था। लिहाजा, राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 (2)(बी) से प्रदत्त शक्तियों का

इस्तेमाल करते हुए विधानसभा को भंग किया। लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। वे 2011 से लगातार सत्ता पर काबिज रहीं। हालांकि, इस बार विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। तृणमूल कांग्रेस बंगाल में अपनी सत्ता को बरकरार रखने में नाकाम रही और ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा। 2026 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई। हालांकि, विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर '100 सीट की चोरी' का आरोप लगाया और साथ ही, मुख्यमंत्री पद छोड़ने से इनकार कर दिया। बहरहाल, 2026 के चुनाव संपन्न होने के बाद पश्चिम बंगाल में नई विधानसभा का गठन होगा और भाजपा अपना मुख्यमंत्री चुनने की कवायद में जुटी है।

यूपी में लापरवाह डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई, पांच चिकित्साधिकारी बर्खास्त

एजेंसी

लखनऊ । यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा अभियान छेड़ते हुए शुक्रवार को कई चिकित्साधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की। ड्यूटी से लंबे समय तक गायब रहने, प्रशासनिक लापरवाही, निजी अस्पतालों के पंजीकरण में अनियमितता और मरीजों के इलाज में कोताही बरतने के आरोपों में पांच चिकित्साधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है जबकि एक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) समेत 16 चिकित्साधिकारियों के खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ और सरकारी जिम्मेदारियों में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सेवा से बर्खास्त किए गए चिकित्साधिकारियों में जिला चिकित्सालय गोरखपुर की डॉ. अलकनंदा, कुशीनगर में तैनात डॉ. रामजी भरद्वाज, बलरामपुर के डॉ. सौरभ सिंह, अमेठी के सीएचसी जगदीशपुर में तैनात डॉ. विकलेश कुमार शर्मा तथा औरैया के सीएचसी दिबियापुर की डॉ. मोनिका वर्मा शामिल हैं। इन सभी पर लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और चिकित्सकीय कार्यों से विरत रहने का आरोप था। स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई का सबसे बड़ा असर अंबेडकरनगर में देखने को मिला, जहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल और डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय वर्मा पर निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण में अनियमितता बरतने, शासनादेशों की अनदेखी करने और पद के दुरुपयोग के आरोप सिद्ध पाए गए। शिकायतों की जांच एडीएम स्तर की तीन सदस्यीय समिति ने की, जिसके बाद दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए। हरदोई के संडीला में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार सिंह पर अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई न करने और अपने दायित्वों में लापरवाही बरतने का आरोप लगा। इस मामले में विभागीय जांच बैठाई गई है। साथ ही हरदोई के सीएमओ से यह भी जवाब तलब किया गया है कि वरिष्ठ डॉक्टरों की मौजूदगी के बावजूद कनिष्ठ चिकित्साधिकारी को वरिष्ठ पद का कार्यभार क्यों सौंपा गया। प्रयागराज के मेजा सीएचसी के अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर पर प्रशासनिक लापरवाही और अधीनस्थों पर नियंत्रण न रख पाने के आरोप में विभागीय कार्रवाई के साथ स्थानांतरण के आदेश दिए गए हैं। वहीं, सुल्तानपुर के लंभुआ सीएचसी में महिला मरीज के इलाज में लापरवाही के मामले में तत्कालीन अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार सिंह, चिकित्साधिकारी डॉ. धर्मराज और फार्मासिस्ट अवधनारायण के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मथुरा जिला चिकित्सालय में मेडिकल परीक्षण में कथित अनियमितता के मामले में इमरजेंसी मेडिकल अफसर डॉ. देवेंद्र कुमार और सर्जन डॉ. विकास मिश्रा पर भी विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। इसके अलावा बलरामपुर, वाराणसी, बदायूं, खीरी और संभल समेत कई जिलों में तैनात चिकित्साधिकारियों के खिलाफ कर्तव्य में लापरवाही और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप में जांच और अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं के अस्थिरोग विभाग में तैनात सह-आचार्य डॉ. रितुज अग्रवाल पर महिला चिकित्साधिकारी और अन्य डॉक्टर के साथ अभद्रता एवं गाली-गलौज करने के आरोप में भी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने दो चिकित्साधिकारियों बहराइच की डॉ. प्रतिभा यादव और मथुरा के डॉ. राकेश सिंह को परिनिंदा दंड दिया है। वहीं, स्टेट हेल्थ एजेंसी की कैशलेस चिकित्सा योजना में प्रतिनियुक्ति पर तैनात डॉ. आदित्य पांडेय की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें मूल तैनाती स्थल रायबरेली वापस भेजने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही कई चिकित्साधिकारियों की वेतनवृद्धि भी रोकी गई है। हमीरपुर की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. लालमणि पर प्रसूताओं से वसूली और अभद्रता के आरोप में तीन वेतनवृद्धियां स्थायी रूप से रोक दी गई हैं। बलरामपुर के डॉ. संतोष सिंह की चार और झांसी की डॉ. निशा बुंदेला की दो वेतनवृद्धियां रोकी गई हैं।

संघ की विचारधारा से उपजे कार्य पूर्णरूपेण महिला केंद्रित : शोभा विजेंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। लेखिका और समाजसेविका डॉ. शोभा विजेंद्र ने कहा कि संघ की विचारधारा से उपजे विचार और कार्य पूर्णरूपेण महिला केंद्रित हैं, क्योंकि महिला के योगदान के बिना परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है। यह वक्तव्य उन्होंने 'शतायु संघ और महिला सहभागिता' विषय पर सारगर्भित चर्चा में दिया। इस चर्चा का आयोजन हॉल ऑफ हार्मनी नेहरू सेंटर वर्ली मुंबई में डॉ. शोभा विजेंद्र द्वारा कमला ट्रस्ट के सहयोग से किया गया। डॉ. शोभा विजेंद्र ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राष्ट्र सेविका समिति क्रमशः पुरुष और महिला के व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहे हैं तथा भारत के चरमोत्कर्ष का स्वप्न देखते हुए राष्ट्र कार्य में निरंतर लीन हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पुस्तक 'शतायु संघ और महिला सहभागिता' प्रमाणित दस्तावेजों के माध्यम से यह सिद्ध करती है कि संघ में महिलाओं की भूमिका केवल सहभागिता तक सीमित नहीं, बल्कि मां, मातृभूमि और जगन्माता के स्वरूप में है। अंत में उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी में स्त्री और पुरुष दोनों को अपने स्व को स्पंदित करना होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वर्षा तावड़े एवं निदर्शना गोवानी ने की। अपने संस्मरण साझा करते हुए वर्षा तावड़े ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उनका संघ के विचारों से जुड़ाव हुआ और धीरे-धीरे राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का भाव विकसित होता गया। उन्होंने कहा कि संघ स्त्री विरुद्ध पुरुष की भावना को नहीं मानता, बल्कि स्त्री और पुरुष को परस्पर पूरक मानने वाला संगठन है। उनके विचारों ने उपस्थित जनों को गहराई से प्रेरित किया। निदर्शना गोवानी ने कहा कि हमारे आसपास अनेक संगठन कार्य कर रहे हैं, परन्तु सभी संगठनों में महिला सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महिलाएं घर में अपने सभी दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करती हैं, उसी प्रकार वे संगठन में भी अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण और दक्षता के साथ निभाती हैं। साथ ही, उन्होंने संघ से जुड़े अपने प्रेरणादायी अनुभवों को साझा करते हुए उपस्थित जनों को महिला शक्ति, सहभागिता और संगठनात्मक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता भाग्यश्री (चंदा) साठये, समिति प्रचारिका एवं अखिल भारतीय सह संयोजिका, महिला समन्वय ने कहा कि महिलाओं की सहभागिता क्या है तथा महिला कार्य में संघ का क्या योगदान है इन दोनों विषयों पर गंभीरता से विचार किये जाने की आवश्यकता है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबले रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर-तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-मानव सुथार।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये।

जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भ्ररोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

मुम्बई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ़्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रस्त्र से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद । दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

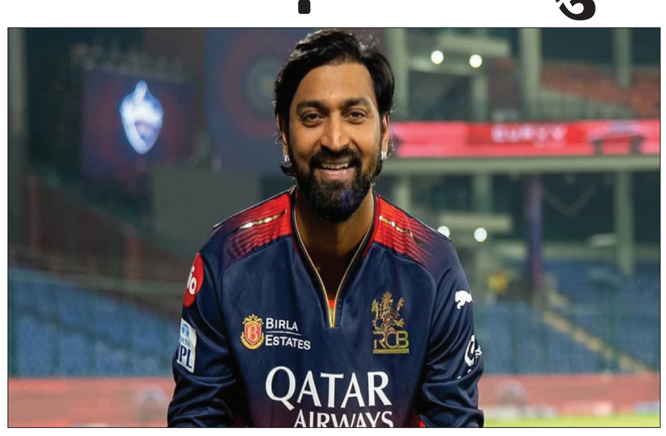

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज़्यादा रन बनाए हों। राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं। यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया। गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी। है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार ज़ुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फ्रंटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'

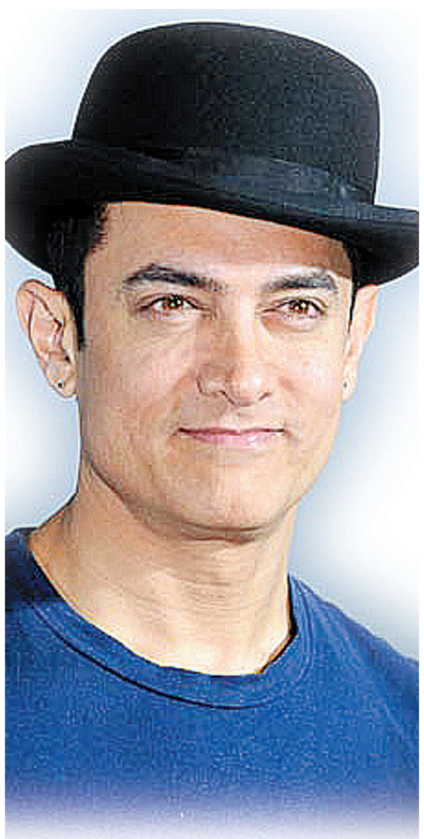

दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

‘स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म’

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, ‘दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू ‘3 इडियट्स 2’ पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।’

‘10 साल बाद लौटेंगे ‘3 इडियट्स’ के किरदार’

वह बताते हैं, ‘ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें ‘3 इडियट्स’ के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।’ आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, ‘तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।’

‘सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म’

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, ‘मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। ‘एक दिन’ के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।’ वह आगे कहते हैं, ‘अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक–दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।’

पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं– ‘भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी’

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, ‘हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी’।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, ‘हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी’। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, ‘मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का’। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर ‘प्रलय’ की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह ‘धुरंधर’ और ‘धुरंधर 2’ की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म ‘प्रलय’ के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। ‘प्रलय’ की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, ‘प्रलय’ को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री–प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

‘वाराणसी’ की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ‘वाराणसी’ की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने–पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में ‘वाराणसी’ की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर–मौजूदगी महसूस की जाएगी।

’वाराणसी’ के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म ‘वाराणसी’ में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

जल्द ही खाकी वर्दी में अपना ‘कर्तव्य’ निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना ‘कर्तव्य’ निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म ‘कर्तव्य’ की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस–ड्रामा फिल्म ‘कर्तव्य’ नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत ‘कर्तव्य’ 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, ‘कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।’

ऐसी है कहानी

‘कर्तव्य’ की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द–गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे–जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन ‘भक्षक’ फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। ‘सेक्रेड गेम्स’ की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

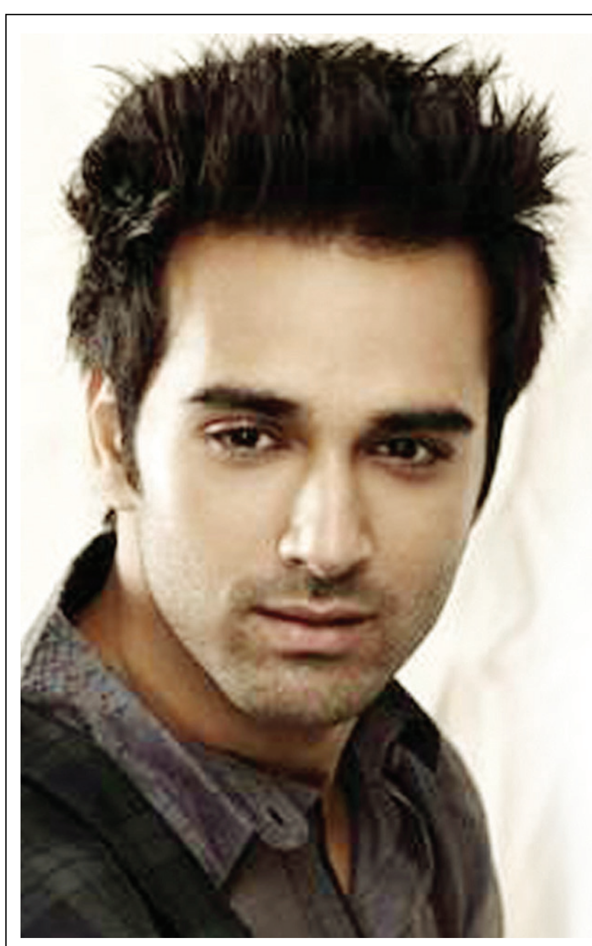

हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज ‘ग्लोरी’ को लेकर सुर्खियों में हैं। ‘फुकरे’ जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा ‘ग्लोरी’ में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

’फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।’ यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म ‘बिट्टू बॉस’ से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट ‘फुकरे’ फ्रेंचाइजी से लेकर ‘डॉली की डोली’ और ‘पागलपंती’ जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज ‘ग्लोरी’ सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, ‘इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।’

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

’खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। ‘फुकरे’ कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।’

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, ‘मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे–धीरे समझ में आईं। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।’

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, ‘इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

रहस्य-रोमांच

आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली पेंटिंग

ब्रिटिश म्यूजियम में एक रहस्यमयी तस्वीर थी। जो कोई अपने घर में यह तस्वीर टांगता, यह पेंटिंग उसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर देती। यह तस्वीर नीले कागज पर काली खड़िया से खींची गयी एक बड़े जंगली बिल्ले की थी। यह इतनी सफाई के साथ खींची गयी थी कि उस तस्वीर को एकटक नजरें गड़ा कर देखने पर उस बिल्ले की नीली-नीली चमकती आंखें बिल्कुल सजीव दिखायी देती। उनमें एक हिंसात्मक चमक- सी नजर आती जिससे देखने वाले अपने

कुछ-कुछ इस चित्र की तरह दिखती थी पेंटिंग

अंदर एक बेचैनी महसूस करने लगते। शुरू में, जिस आदमी के पास यह तस्वीर थी, वह एक वनाधिकारी था, जो सुखी दाम्पत्य जीवन बिता रहा था। उसने एक दिन अकारण ही गोली मार कर आत्महत्या कर ली। उसकी विधवा ने वह चित्र काउफंट अलेक्जेंडर के हाथ बेच दिया। काउफंट को उस चित्र से बड़ा लगाव था। उसने उसे अपने कमरे की दीवार पर टांग रखा था। वह तस्वीर बार-बार उसका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करती रहती, जिसे देख-देखकर वह बड़ा खिन्न और उदास महसूस किया करता। उसे भय हुआ कि कहीं उसे भी आत्महत्या करने के लिए मजबूर न होना पड़े। तस्वीर को वह जलाना नहीं चाहता था क्योंकि वह उसे बहुत प्यारी थी, लेकिन और अधिक अपने पास उसे बनाये रखने का जोखिम भी वह मोल नहीं लेना चाहता था। विवश होकर उसने अपने मित्र को वह तस्वीर भेंट कर दी। फिर भी तस्वीर ने उसे नहीं बख्शा।

कुछ दिनों बाद ही बड़े रहस्यमय तरीके से उसकी मौत हो गयी। जिस मित्र को उसने तस्वीर दी थी। उसने अपने दोस्त की आखिरी निशानी मानकर उसे काफी समय तक अपने पास रखा और अंततः अपने बेटे को उसने यह चित्र सौंप दिया।

बेटे ने उस चित्र को अपने कमरे की दीवार पर टांग दिया और उसे भूल गया। पर एक सर्दी की रात को जब वह अपने कमरे में बैठा खत लिख रहा था, उसे अचानक ऐसा महसूस हुआ मानो अपने कमरे में वह अकेला नहीं है, कोई अशरीरी भी उसके ईद-गिर्द मंडरा रहा है। उसने अपनी निगाह ऊपर उठायी लेकिन कहीं कोई नहीं था। सहसा उसकी आंखें तस्वीर वाले उस बिल्ले की आंखों से जा टकरायी। उसे अद्भुत रोमांच-सा हो आया, ऐसा लगा मानों वह तस्वीर उसे अपने सम्मोहन में कसती जा रही हो। उसके विचारों पर मानों उसने जबरन कब्जा कर लिया हो और धीरे-धीरे उस पर अपना समस्त अधिकार जमाती जा रही हो। बड़ी मुश्किल से वह उस तस्वीर से आंखें हटा पाया।

इस घटना से डरकर उसने तस्वीर अपने एक मित्र को दे दी जो जंगली जानवरों में रुचि रखता था। अपने नये घर की दीवार पर उसने उसे टांग दिया। लेकिन अभी छह महीने भी नहीं बीते थे कि उसने आत्महत्या कर ली। इसके बाद उसका एक दूर का रिश्तेदार उस चित्र को अपने साथ ले गया। लेकिन कुछ महीनों बाद वह भी अपने बिस्तर पर मरा पाया गया। उसने वास्तव में आत्महत्या की थी या उसका खून किया गया था, इस बारे में कुछ पता नहीं चल पाया। उस चित्र का भी बाद में कोई पता नहीं चला कि कहां गया।

कुत्तों के ठाठ निराले

जानवरों में इंसान के सबसे पुराने साथी कुत्ते के कई रंग हैं। रईस परिवारों में कुत्ते ठाठ से रहते हैं, पलते हैं, बड़े होते हैं। उसकी अहमियत घर के किसी सदस्य से कम नहीं होती। यह कुत्तों का अपना नसीब है कि उन्हें रईस घर परिवार मिलता है या फिर वे गली- मोहल्ले की खाक छानते फिरते हैं। कुछ उदाहरण

स्कूलों में बनाएंगे अनुशासन

स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में अनुशासन होना नितांत आवश्यक है लेकिन बहुत से बच्चे अनुशासनहीन होते हैं और उन्हें इस पर सजा भी मिलती है। अब छात्रों को अनुशासन तोड़ने पर खड़े रहने, मुर्गा बनने, ग्राउंड के चक्कर लगाने, बेंत या डंडे की मार, थप्पड़ खाने जैसे दंड की आवश्यकता नहीं रहेगी, क्योंकि अब अनुशासन बनाए रखने का काम शिक्षक नहीं अपितु प्रशिक्षित कुत्ते करेंगे। घबराइये नहीं, फिलहाल यह प्रस्ताव ब्रिटेन के स्कूलों के लिए आया है, अब यह बात अलग है कि वहां यदि यह प्रयोग सफल होता है तो इसे भारत में भी अपनाया जा सकता है। हाल ही में ब्रिटेन में शिक्षकों की एक यूनियन ने स्कूलों में अनुशासन कायम रखने के लिए कुत्तों को नियुक्त कर उनकी सेवाएं लेने की सिफारिश की है। मूल रूप से यह प्रस्ताव एक शिक्षिका बेनडी डायलस का था जिसे प्रोफेशनल्स एसोसिएशन ऑफटीर्चस ने समर्थन दिया है। शिक्षिका छोटे बच्चों को पढ़ाती हैं और उनका कहना है कि बड़े कुत्तों से बच्चों को पंक्तिबद्ध करने, घुमाने, उन पर निगरानी रखने के अलावा बच्चों द्वारा फर्श पर गिराए गए दूध को साफ करने में मदद मिलेगी। ये कुत्ते बच्चों के झगड़े समाप्त करने जूते- चप्पलों और खिलौनों पर भी निगरानी रख सकेंगे। देखना यह है कि उनका यह प्रस्ताव अमल में आता है या नहीं।

बैंक में खाते

जापान में कुत्तों की कितनी अहमियत है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि ओसाका शहर में तो सन्वास बैंक ने उनके लिए एक अनूठी सेवा शुरू की है। बैंक ने कुत्तों के नामों पर खाता खोलने की अनुमति दी है। खाता खोलने से पूर्व कुत्ते का पूर्ण विवरण तथा फोटो प्रस्तुत करना अनिवार्य है। बैंक पालतू कुत्तों को मालिक के परिवार का सदस्य मानती है ।

शान से पहनते हैं चश्मे

इंसानों को तो आपने चश्मा पहनते देखा है अब कुत्ते भी नजर और धूप के चश्मे पहनने लगे हैं। अमेरिका की मिडनाइट कंपनी कुत्तों के लिए धूप के चश्मे तो पहले से ही बना रही है, अब कमजोर नजर वाले कुत्तों के लिए डॉगल्स भी बना रही है। लॉस वेगास के पशु नेत्र चिकित्सक डॉ.माइकल ब्रिकमेन ने डॉगल्स बनाने में मदद की है। इसे चमड़े की एक पट्टी से कुत्ते के सिर पर बांधा जाता है। कुत्ते पालने की शौकीन बर्किंगघमशायर की हैलन ड्रेप डॉगल्स के आने से बहुत खुश हैं क्योंकि उनका कुत्ता पिछले छह सालों से धीरे-धीरे अंधा होता जा रहा है। अब उनका कुत्ता शान से चश्मा पहनता है और उसे सब कुछ साफ दिखाई देता है।

जर्मन अवार्ड के हकदार

जर्मन सरकार ने एक कुत्ते को पुरस्कृत किया। चौकिए मत, इस कुत्ते ने आत्महत्या पर उतारू एक महिला को ऐसा करने से रोकने में पुलिस की मदद की थी। हुआ यह कि यहां के एक मनोचिकित्सक क्लीनिक की 39 वर्षीय महिला मरीज ने अपने आप को एक टॉयलेट में बंद कर लिया। खतरे की बात यह थी कि उसके पास एक चाकू भी था। जब पुलिस को पता चला कि उसे कुत्तों का बड़ा शौक है, तो पास ही के एक कुत्ताघर से संकर नस्ल के परजेल नामक कुत्ते को चुना गया, क्योंकि उसका चेहरा बड़ा आकर्षक था। रणनीति काम कर गई। टॉयलेट की दरार में से जैसे ही वह गया, महिला ने चाकू पटका और दरवाजा खोलकर उसे गोद में ले लिया।

टैक्स भी चुकाते हैं

जर्मनी के कुत्ते सबसे अलग है क्योंकि वहां उन पर भी टैक्स लगता है। पालक के पास किस नस्ल का और आकार का कुत्ता है, उसके अनुसार टैक्स तय होता है। यही नहीं, कुत्तों का भी बाकायदा पासपोर्ट बनता है। पासपोर्ट में कुत्ते के नाम के साथ उपनाम भी लिखना आवश्यक है और ये उपनाम जो परिवार उसे पाल रहा है, उसके मुखिया का होता है।

टीसी की भूमिका

कुत्तों को आप कम मत समझिए, पुलिस के खोजी कुत्ते बड़े से बड़े अपराधियों को धर दबोचते हैं, नशीली दवाइयों का पता लगा सकते हैं, लेकिन इन सबसे ऊपर अब भारतीय रेलवे ने उन्हें काम सौंपा है बिना टिकट यात्रियों को पकड़ने का। यों तो प्रत्येक ट्रेन और स्टेशन के निकासी द्वार पर टिकट यात्री उनकी आंखों में धूल झोंक कर निकल जाते हैं लेकिन अब बिना टिकट यात्रा करने वालों की शामत आ जाएगी। प्रयो ग के तौर पर मुंबई के अंधेरी रेलवे स्टेशन पर हाल ही में प्रशिक्षित कुत्ते तैनात किए गए हैं। ये कुत्ते रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स(आर.पी.एफ) के हैं। ये बिना टिकट यात्रियों को पलक झपकते ही पकड़ लेते हैं। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो देश के तमाम रेलवे स्टेशनों पर कुत्ते बिना टिकट यात्रियों को पकड़ेंगे। कुत्तों की आंखों में धूल झोंक कर बच निकल पाना बड़ा मुश्किल है।

सोशल नेटवर्किंग साइट पर

लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक और माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर भले ही देश की हजारों नामचीन हस्तियों एवं आम लोगों की प्रोफाइल नहीं है लेकिन ब्रिटेन के पालतू पशुओं की प्रोफाइल भी अब इन वेबसाइटों पर है। ब्रिटेन में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि दस में से एक पालतू की फेसबुक या ट्विटर पर प्रोफाइल है और ब्रिटेन में 50 प्रतिशत से अधिक लोग अपने पालतु की तस्वीरों का फेसबुक के जरिए आदान प्रदान करते हैं। यही नहीं, ब्रिटेन में सोशल नेटवर्किंग साइटों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है जो कुत्ता पालकों को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। इन साइटों में क्रिटटर, कैटस्टोर और डॉगी डेटिंग सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। अध्ययन में 52 प्रतिशत लोगों ने यह स्वीकार किया वे सोशल नेटवर्किंग साइटों पर अपने कुत्तों की तस्वीरें पेस्ट करते हैं और उनमें से 20 प्रतिशत लोग ई-मेल के जरिए इन तस्वीरों को अपने परिवार के लोगों एवं दोस्तों को भी भेजते हैं। दिलचस्प है कि महिलाएं इस काम में पुरुषों से आगे हैं।

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

अंतर ढूंढो

स्कूल में भर्ती

(कहानी)

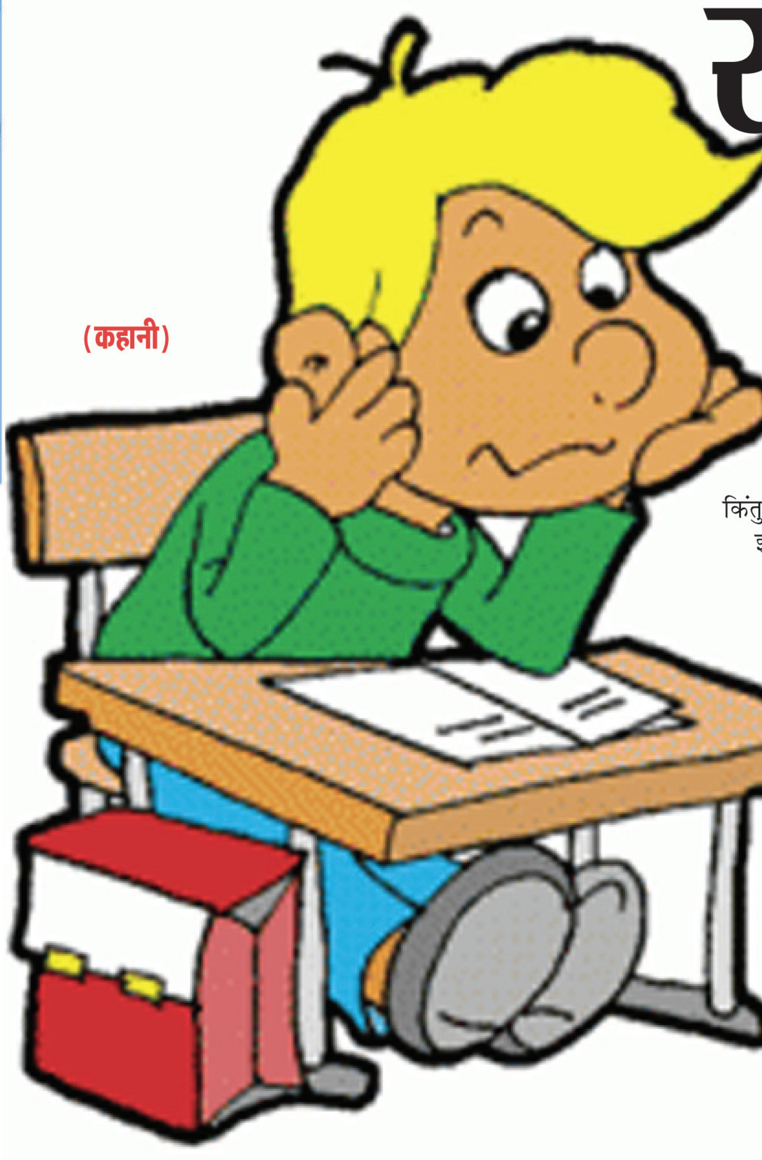

राजू 3 साल का है उसके स्कूल में दाखिला करने का वक्त आ गया है। इसका दाखिला किस स्कूल में कराएं, घर वाले 6 महीने से इस बात पर चर्चा कर रहे थे। किंतु फिर भी कोई एक स्कूल नहीं चुन पाए थे। हर कोई नया-नया स्कूल का नाम बता रहा था।

आखिर में दाखिले वाला दिन आ गया। अब दाखिले के लिए स्कूल के फार्म स्कूल की व्यवस्था व पढ़ाई, व स्कूल टाइम का पता लगाना शुरू किया गया। अंग्रेजी-स्कूलों की मांग थी कि बच्चे के मां-बाप अंग्रेजी बोलना, लिखना, पढ़ना जानते हों।

किंतु राजू के बाप तो एक मामूली दुकानदार थे। इसीलिए उन्हें अंग्रेजी नहीं आती थी।

अब समस्या ये थी कि कहीं पर भी अंग्रेजी स्कूल में भर्ती हो जाए। काफी धूल छानने के बाद एक छोटा सा अंग्रेजी माध्यम का प्राइवेट स्कूल मिला। अब समस्या ये थी कि वह घर से काफी दूर है। और बच्चा काफी छोटा है पढ़ाई जरूरी या बच्चा?

यह भी एक समस्या थी।

थक-हार कर उसका (राजू का) दाखिला हिंदी माध्यम में ही करा दिया गया। मगर अभी राजू के पापा ने हार नहीं मानी थी। वह अंग्रेजी स्कूल में दाखिला कराने के बाद भागदौड़ कर रहे थे। एक माह बाद एक विद्यालय में एक सीट खाली मिल ही गई।

और इस दाखिले के उसे कुछ पैसा भी खर्च करना पड़ा। आखिर राजू का दाखिला अंग्रेजी विद्यालय में हो ही गया। और उसका एक माह हिंदी विद्यालय में बैठने का आभास भी हो गया था। राजू का समय भी खराब नहीं हुआ और वह अंग्रेजी विद्यालय में भी पढ़ने लगा है।

ये राजू के दिमाग का काम था। राजू के पिता हिंदी भी सही से नहीं जानते थे पर उन्होंने अपने बच्चे को अच्छा पढ़ाने के लिए बड़ा परिश्रम किया आजकल दाखिला भी बहुत मुश्किल से होता है पर अब राजू का तो, देर से ही सही दाखिला हो ही गया था।